संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 249
पृष्ठ 8
बुधवार
29 मई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– स्टैमिना बूस्ट करने का काम...

विचार– कैसे करें किसानी

खेल– पूर्व भारतीय खिलाड़ी का बयान...

चार जून के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ और तेज होगी कार्रवाई : मोदी

दुमका, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि इंडिया गठबंधन के नफरती ऐजेंडे को उनकी सरकार सदैव फेल करता रहेगा और गरीब आदिवासी, दलित एवं पिछड़े वर्ग के हक को छिनने वाले भ्रष्टचारियों के खिलाफ 4 जून के बाद कार्रवाई और तेज होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज मंगलवार को दुमका एयरपोर्ट मैदान में संताल परगना प्रमंडल के दुमका से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन गोड्डा से निशिकांत दुबे और राजमहल से ताला मरांडी के पक्ष में आयोजित महा विजय संकल्प जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और झामुमो पर जमकर निशाना साधा। इसी क्रम में उन्होंने अपने दस साल के कार्यकाल में दलित आदिवासी और गरीबों के कल्याण के लिए किये गये कार्यों और उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद के नेता खुलेआम, बेशर्मी के साथ धमकी दे रहे हैं और

कह रहे हैं कि मोदी को हटाना है, ताकि उनको फिर से घोटाले करने का मौका मिल सके। उन्होंने कहा– जेएमएम और कांग्रेस झारखंड को हर तरह से लूट रहे हैं। यहां इतने खूबसूरत पहाड़ है, लेकिन झारखंड की चर्चा नोटों के पहाड़ के लिए हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा–' झामुमो और कांग्रेस वालों के यहां नोटों के पहाड़ पकड़े जा रहे हैं। आप जानते हैं, ये पैसा कहां से आ रहा है? ये पैसा आ रहा है शराब के घोटाले से, ये पैसा आ रहा है करोड़ों रुपयों के टेंडर के घोटाले से, ये पैसा आ रहा है खान–खनिज–खनन घोटाले से।' श्री मोदी ने कहा कि 4 जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई और तेज होगी। प्रधानमंत्री ने कहा– 'इन लोगों ने जमीनें हड़पने के लिए अपने माता–पिता का नाम बदल लिये । अब गरीबों और आदिवासियों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। इन लोगों ने तो सेना की जमीन को भी लूट लिया। आपको झारखंड को इन लोगों से मुक्ति दिलानी ही होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा– 'इंडी गठबंधन के लिए सिर्फ अपना वोट बैंक जरूरी है। उसे आदिवासी समाज के हितों से कोई लेना–देना नहीं है। जहां–जहां ये लोग सत्ता में आए, आदिवासी समाज और संस्कृति खतरे में पड़ गई। आदिवासियों के खिलाफ नक्सलवाद, घुसपैठ और तुष्टीकरण इनके हथियार रहे हैं !' उन्होंने कहा– 'अब झारखंड में एक बड़ा संकट घुसपैठियों का हो गया है। हमारा ये संथाल परगना तो बहुत ज्यादा घुसपैठियों की चुनौती से जूझ रहा है। जिसके परिणामस्वरूप कई इलाकों में आदिवासियों की संख्या तेजी से कम हो रही है और घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। आदिवासी बेटियों की सुरक्षा और उनका जीवन खतरे में पड़ गया है। प्रधानमंत्री ने कहा– 'इंडी गठबंधन की देशविरोधी राजनीति का यह एक खतरनाक फॉर्मूला है। इनका फॉर्मूला है– घोर सांप्रदायिक राजनीति करो, घोर तुष्टीकरण की राजनीति करो, अलगाववादियों को संरक्षण दो, आतंकवादियों का बचाव करो और जो उसका विरोध करे, उस पर हिन्दू–मुसलमान करने का आरोप लगा दो। भाजपा दलित, वंचित और आदिवासियों के लिए समर्पित है, समर्पण और सेवा भाव से काम करती है। हमने आदिवासी कल्याण के लिए 4 गुणा से ज्यादा बजट बढ़ाया। हम जनजातीय इलाके में 400 से ज्यादा एकलव्य आवासीय विद्यालय बना रहे हैं। आदिवासी इलाकों में खनिज का पैसा आपके बच्चों के लिए खर्च हो, हमने इसके लिए कानून बनाया है । हमारी सरकार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाती है। प्रधानमंत्री ने कहा– '2014 में जब आपने मोदी को आशीर्वाद दिया था। तब पूरा देश कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुका था। रोज–रोज घोटाले होते थे। कांग्रेस गरीबों के नाम पर पैसे लूटने में 24 गुणा 7 लगी हुई थी। मोदी ने आकर वो सब बंद कर दिया। जनता का पैसा आज जनता के हित में इस्तेमाल हो रहा है। श्री मोदी ने कहा– संताल की ये धरती क्रांति की धरती है। ये देश के लिए जीने–मरने वालों की धरती है। इस धरती पर ये जनसैलाब और इतनी बड़ी संख्या में माताएं–बहनें हमें आशीर्वाद देने आई हैं। आपके आशीर्वाद ने ये पक्का कर दिया है कि देश में भाजपा नीत राजग की सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा– 'जो काम 10 साल में हुआ है। अब अगले 5 साल उसे और आगे बढ़ाना है।

देश शरीयत से नहीं संविधान से चलेगा : योगी

मिर्जापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध करते हुये मंगलवार को कहा कि देश शरियत से नहीं बल्कि संविधान से चलेगा। मिर्जापुर के छानवे विधानसभा क्षेत्र में अपना दल प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि विपक्षी दल एससी/एसटी के आरक्षण में सेंध लगा कर मुसलमानो को आरक्षण देना चाहते हैं। बाबा साहब धर्म के आरक्षण के विरोध में थे और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उनके विचारों का समर्थन करता है। श्री योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) ने 2012 के विधानसभा चुनाव और 2014 के लोकसभा चुनाव में अपने घोषणा पत्र में इसको शामिल किया था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश को आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्त किया है जबकि उत्तर प्रदेश को माफियाओं से मुक्त किया गया है। सपा के लोग माफिया के मरने के बाद आंसू बहाते हैं। माफियाओं के क़ब्र पर फातिया पढ़ते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस

को '400 पार...' का नारा सुन कर चक्कर आता है। ये यहां तालिबानी शासन चाहते हैं। पाकिस्तान का राग अलापते हैं। पाकिस्तान 23 करोड लोगों को रोटी नही दे पा रहे हैं जबकि भारत मे पिछले दस सालों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि देश प्रदेश में विकास हुआ है। उसी तरह मिर्जापुर का भी विकास हुआ है। आज मिर्जापुर वाराणसी लखनऊ शहर जैसा विकास दिखाई पड़ता है। यह शहर हाई वे रेल वे के साथ वाटर वे रोपवे से जुड़ गया है। यहां विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। मां विंध्यवासिनी कोरिडोर निर्माण से दर्शनार्थियों की संख्या दोगुनी हो गई है। इस नवरात्रि मेले में 35लाख थी।यह संख्या आगामी दिनों में एक करोड़ होगी। इससे लोगों पहले से ज्यादा रोजगार मिलेगा। श्री योगी ने कहा कि मिर्जापुर के कोल बिरादरी के शत प्रतिशत आवास दिए हैं। पानी को लेकर प्रदेश के सबसे संवेदनशील जिले में हर घर जल नल योजना के सभी को पेयजल आपूर्ति हो रही है।

हिमाचल मेरा असली घर : प्रियंका

शिमला, एजेंसी। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हिमाचल में उनका स्थाई घर है उनका दिल दिल्ली में नहीं हिमाचल में बसता है। इसलिए वह बार–बार हिमाचल में यहां की भोलीभाली जनता से मिलने आती हैं। चुनाव प्रचार के लिए हिमाचल पहुंची श्रीमती वाड्रा ने एक के बाद एक ताबड़तोड़ रैलियां की। मंगलवार को सुबह हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के गगरेट वाले कुटलैहड़ में श्रीमती वाड्रा ने प्रधानमंत्री मोदी पर जमकर निशाना साधा। कुटलैहड़ में प्रियंका गांधी ने अपना संबोधन बाबा रुद्रानन्द जी और माता चिंतपूर्णी जी की धरती के साथ शुरू किया। उन्होंने कहा कि राम का नाम लेने वाले और राम का काम करने वाले कुछ और यह समझने वाली बात है। भगवान राम का नाम वोटों के लिए बार– बार लिया जाता है। दस साल में दो चुनाव निकल गए।अब तीसरे चुनाव की बारी है चुनावों में जो भी भाजपा का प्रचार रहा है वह धर्म

के नाम पर रहा है। मोदी जी ने पहला चुनाव भी धर्म के नाम पर लड़ा था। चुनाव जीतने के बाद चुनाव प्रचार के समय किए वायदों का जिक्र तक नहीं किया। मोदी जी ने 2014 में किसानों की आय दोगुनी करने, दो करोड़ नौकरी प्रतिवर्ष देने, कालाधन लाने की बात की लेकिन खैर कोई वायदा पूरा नहीं हुआ। पांच साल बाद फिर चुनाव आया तो कोई महंगाई, बेरोजगारी और 15 लाख देने की बात नहीं की, रोजगार नहीं मिला, नोटबंदी से देश के हालत तथा ज्यादा खराब हुए। जो छोटी –मोटी बचत महिलाओं ने इक्कठी की थी उसे भी नोटबन्दी के समस वापिस ले लिया। उन्होंने कहा कि जीएसटी लाए सब महंगा हो गया। पांच साल फिर पूरे हुए फिर से धर्म–जाति, हिन्दू– मुसलमान की वही बातें जो इनकी आदत है जनता को भी डलवा दी। उन्होंने कहा कि मोदी जी खुद वाराणसी नहीं जाते न ही हमीरपुर के सांसद आते हैं। बस उद्घाटन और शिलान्यास करने चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने 10 साल में नई तरीके की राजनीति शुरू हुई है। उससे अब बाहर निकलने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश भर में नेताओं की आदत बिगाड़ दी गई है। यहां के सांसद बड़े बड़े महलों, क्रिकेट और मंचों पर दिखाई देते हैं लेकिन आपदा के समय यहां नहीं आए। श्रीमती वाड्रा ने आपदा की एक घटना को याद करते हुए कहा कि शिमला में एक परिवार पर विनाश काल आपदा आई दादा के साथ मंदिर गई नन्ही बच्ची भी मौत में समा गई । इस विपदा में भाजपा नेताओं को हिमाचल की याद नहीं आई। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 1500 रुपए देकर महिलाओं को महंगाई से राहत देने के लिए उठाया गया कदम है लेकिन भाजपा नहीं चाहती कि महिलाओं को यह हक मिले बल्कि इसे रोकने के लिए चुनाव आयोग से शिकायत कर दी। महंगाई चरम पर है आज पढ़ाई लिखाई के साथ बच्चों की शादी करने से भी डरना पड़ता है। देश में बेरोजगारी चरम पर है 70 करोड़ बेरोजगार दर दर भटक रहे हैं 30 लाख खाली पद पड़े हैं। बड़े बड़े संस्थानों IIM,IIT से पढ़कर बचे बेरोजगार हो गए हैं। नेताओं ने काम करना बंद कर दिया है क्योंकि जवाबदेही खत्म कर दी गई है।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत आगे बढ़ाने पर शीघ्र सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर शीघ्र सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य की जांच के लिए अपनी अंतरिम जमानत को एक जून से सात दिन आगे बढ़ाने की गुहार लगाई थी। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से कहा कि सुनवाई की तारीख तय करने के लिए उनके विशेष उल्लेख के दौरान किए गए अनुरोध को मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा जाएगा। पीठ ने श्री सिंघवी से यह भी पूछा कि पिछले हफ्ते न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मुख्यमंत्री केजरीवाल की याचिका का उल्लेख क्यों नहीं किया गया था। श्री सिंघवी ने याचिका पर

तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को अपने स्वास्थ्य की स्थिति का पता लगाने के लिए तत्काल मेडिकल जांच की जरूरत है। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि चूंकि केजरीवाल को एक जून तक अंतरिम जमानत देने वाली न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने 17 मई को उनकी मुख्य याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, इसलिए जमानत आवेदन की अवधि बढ़ाने की गुहार वाली उनकी इस याचिका को सूचीबद्ध करने के लिए मुख्य न्यायाधीश के उचित आदेश की जरूरत होगी। पीठ ने कहा, ''मुख्य मामले में फैसला सुरक्षित होने के कारण मुख्य न्यायाधीश अंतरिम जमानत बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री केजरीवाल की याचिका को सूचीबद्ध करने पर उचित निर्णय लेंगे।'' दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी श्री केजरीवाल ने अपनी याचिका में दावा किया है कि गिरफ्तारी के बाद उनका वजन सात किलोग्राम कम हो गया है। उनका श्कीटोन लेवलश बहुत ज्यादा है, जो किसी गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा, ष्वर्तमान में उनका इलाज कर रहे मैक्स अस्पताल के संबंधित डॉक्टरों ने कुछ जांच करने की सलाह दी है, जिसके लिए सात दिनों का समय चाहिए।याचिका में कहा गया है कि के उन्हें पीईटी–सीटी स्कैन और अन्य जांच करने की सलाह दी गई है।

महिलाओं के अश्लील वीडियो वायरल करने पर हाईकोर्ट सख्त

कोर्ट ने कहा– यह समाज के लिए गंभीर खतरा, बुलंदशहर के पुलिस अधिकारी हलफनामा दें

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महिलाओं के अश्लील वीडियो को वायरल

करने के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। कोर्ट ने इसे समाज के लिए एक गंभीर खतरा माना है। जस्टिस अजय भनोट की पीठ ने रेप करने तथा पीड़िता का अश्लील वीडियो बनाने के आरोपी को जमानत देने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा– ऐसे से संबंधित जो क्राइम में जो जांच हो रही है उसमें लापरवाही बरती जा रही है। कोर्ट ने इसी के साथ मांगे उर्फ रविन्द्र को जमानत देने से इनकार कर दिया। याची पर बुलंदशहर में धारा 376 डी, 506 आईपीसी और पाक्सो एक्ट की धारा 5 जी/6 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वह नवंबर 2023 से जेल में है।

ट्रायल कोर्ट को निर्देश– मुकदमे एक साल में पूरा करें

आवेदक पर रेप करने और पीड़िता का अश्लील वीडियो बनाने का आरोप है। कोर्ट ने अपराध की गंभीरता पर जोर देते हुए इस स्तर पर आवेदक को जमानत देने से इंकार कर दिया और जमानत अर्जी खारिज कर दी। हालांकि न्याय के हित में और अपराध की प्रकृति पर विचार करते हुए न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि वह मुकदमे को शीघ्रता से एक साल के भीतर पूरा करे। न्यायालय ने कहा कि ट्रायल कोर्ट को आरोपी के अधिकारों के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। कोर्ट गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सभी तुरंत आवश्यक कदम अपनाए।

पुलिस अधिकारी हलफनामा दें : अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि सीनियर पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर निचली अदालत द्वारा जारी वारंटसम्मन की तामील के निष्पादन की स्थिति के बारे में निर्धारित तिथि को निचली अदालत के समक्ष हलफनामा दाखिल करें। अदालत ने आगे निर्देश दिया कि यदि पुलिस अधिकारी वारंट या अन्य उपायों को करने में विफल रहते हैं तो सीनियर पुलिस अधीक्षक, बुलंदशहर हलफनामे में कारण बताएंगे और वारंट निष्पादित करने के लिए उठाए गए कदमों को दिखाएंगे। न्यायालय ने यह भी कहा कि वारंट निष्पादित करने में देरी और परिणामस्वरूप गवाहों की अनुपस्थिति आपराधिक मुकदमे में देरी के प्रमुख कारणों में से एक है और इसे सभी हितधारकों द्वारा प्रभावी ढंग से संबोधित किया जाना चाहिए। न्यायालय ने निचली अदालत को यह भी निर्देश दिया कि वह जांच करे कि भंवर सिंह उर्फ करमवीर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य में इस न्यायालय के निर्णयों के साथ–साथ पुलिस महानिदेशक यूपी सरकार और गृह सचिव द्वारा इसके अनुपालन में जारी किए गए निर्देशों का कार्यान्वयन किया गया है या नहीं और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करें।

प्रयागराज में तैनात कराए 2 सिक्योरिटी गार्ड, पेमेंट नहीं

सिक्योरिटी कंपनी के निदेशक ने कराई एफआईआर, 4.94 लाख हड़पे

प्रयागराज। प्राइवेट सुरक्षा गार्ड मुहैया कराने वाली कंपनी ने एक परिवार पर मुकदमा किया है। उनका आरोप है कि दो गार्ड तैनात तो करा लिए गए लेकिन लंबे समय से उसका पेमेंट नहीं किया गया। जब–जब सुरक्षा गार्ड घर से हटाए गए तो उस परिवार ने धमकी दी कि घर में डकैती, लूट हो जाएगी तो कंपनी जिम्मेदार होगी। शहर के कर्नलगंज थाने में सुरक्षा गार्ड मुहैया कराने वाली कंपनी के निदेशक रमाकांत पांडेय ने देवोतोष बनर्जी के खिलाफ 4.94 लाख रुपए हड़पने का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि 2019 से अब तक भुगतान नहीं किया गया है। कर्नलगंज पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गार्ड हटाने पर कहा डकैती, लूट हुई तो कंपनी जिम्मेदार

नैनी के रहने वाले कंपनी के निदेशक रमाकांत पांडेय तहरीर दी है। बताया 2010 में उन्होंने सुनंदिता बनर्जी निवासी एलनगंज के यहां दो सुरक्षा कर्मी 24 घंटे के लिए संविदा के आधार तैनात किए। इसका बराबर भुगतान किया जाता रहा। तबीयत खराब होने पर सुनंदिता अपनी बेटी और दामाद देवोतोष बनर्जी के पास नई दिल्ली चली गईं। सुरक्षाकर्मियों के भुगतान की जिम्मेदारी उन्होंने अपने दामाद को दे दी। आरोप है कि देवोतोष सुरक्षा कर्मियों के भुगतान में हमेशा हीलाहवाली करते रहे। कुछ भुगतान खाते के माध्यम से करते तो शेष रुपए रोक लेते। 2019 से मार्च 2024 तक का बकाया भुगतान 4.94 लाख रुपए शेष है। भुगतान मांगने पर बहाने करते हैं। जब सुरक्षा गार्ड हटाने की बात करते हैं तो चोरी, डकैती का मुकदमा दर्ज कराने की बात कहते हैं। रमाकांत ने तहरीर में लिखा है कि उन्हें आशंका है कि आरोपी चोरी छिपे मकान बेंचकर भागना चाहते हैं। कर्नलगंज पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अधिगृहीत जमीन वापस करें या मुआवजा दे एनएचआई

बागपत के मामले में हाईकोर्ट ने दिया आदेश, कहा– जुर्माने के साथ याचिका मंजूर कर लें

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि या तो जमीन अधिग्रहण निरस्त करें या याची को मुआवजे का चार हफ्ते में भुगतान करें। साथ ही कोर्ट ने कहा कि ऐसा न कर सकें तो कारण बताएं कि भारी हर्जाना लगाते हुए क्यों न याचिका मंजूर कर ली जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति एमके गुप्ता तथा न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने बागपत के सतीश चंद्र जैन की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया। मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई को होगी

एनएचआई ने कहा अब जमीन की जरूरत नहीं

याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए कहा कि धारा 3 डी के अंतर्गत प्राधिकरण ने 5 फरवरी 2019 को उसकी जमीन का अधिग्रहण किया और जमीन केंद्र सरकार में शामिल हो गई लेकिन कोई मुआवजा नहीं मिला। कोर्ट ने एनएचआई से पूछा तो बताया गया कि अब उसे याची की अधिगृहीत जमीन की जरूरत नहीं है। इसलिए अवार्ड जारी नहीं किया गया। इस पर कोर्ट ने जानना चाहा कि जब अधिग्रहण आदेश के कारण जमीन केंद्र सरकार को दे दी गई तो मुआवजा देने से मना कैसे कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा धारा 3 डी की कार्यवाही निरस्त करें और जमीन वापस करें या याची को मुआवजा दें।

प्रयागराज में 48.2 डिग्री सेंटिग्रेट पहुंचा तापमान

मजदूर बेहोश हुआ, चिलचिलाती धूप में सड़कों पर दिखा सन्नाटा, गंगा का पानी सूखने लगा

प्रयागराज। प्रयागराज में आज यानी मंगलवार दोपहर 2:30 बजे पारा 48.2 डिग्री सेंटिग्रेट पहुंच गया है। नुरुल्ला रोड पर काम करते समय मजदूर उत्तम कुमार बेहोश हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया। वह लाल कॉलोनी करेली का रहने वाला है। नौतपा का चौथा दिन तप रहा है। सड़कों पर सन्नाटा है। खुले में लोग निकलने से बच रहे हैं। बहुत जरूरी काम से कार या ऑटो–रिक्शा में ही लोग सफर करते दिख रहे हैं। गंगा सूखती जा रही है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो आज अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेंटिग्रेट के पार पहुंचेगा। सोमवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेंटिग्रेट रिकॉर्ड किया गया था। मौसम विभाग के मुताबिक, आज इस सप्ताह का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया जा सकता है। यह गर्मी अभी जून भर रहेगी, लेकिन 2 जून तक नौतपा लोगों को गर्मी और उमस से बेहाल करता रहेगा।

सुबह से दिखने लगा गर्मी का असर

प्रयागराज में सुबह से गर्मी का असर दिखने लगा था। सुबह 6:30 बजे तक अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेंटिग्रेट रहा, लेकिन 7 बजे 34 डिग्री सेंटिग्रेट पहुंचा। दोपहर 3 बजे तक पारा 46 डिग्री सेंटिग्रेट पार कर सकता है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और मौसम वैज्ञानिक प्रो. संजय राय के मुताबिक, अभी गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने वाली है। वहीं दूसरी ओर तेज धूप और गर्मी के चलते ट्रेनों में एसी फेल हो जा रहे हैं। यात्रियों की ओर से लगातार इसकी शिकायतें भी आ रही हैं।

जून में फिर शुरू होगी प्रयागराज से कोलकाता की उड़ान, इंडिगो एयरलाइंस ने संचालन के लिए मांगा स्लॉट

प्रयागराज। प्रयागराज से कोलकाता के लिए एक बार फिर विमान सेवा शुरू होगी। जून में कोलकाता के उड़ान के लिए इंडिगो एयरलाइंस ने स्लाट मांगा है। डीजीसीए और एयरपोर्ट प्रशासन ने हरी झंडी दे दी है। अब इसकी समय सारिणी के लिए मंथन हो रहा है। प्रयागराज से कोलकाता के लिए इससे पहले भी दो बार उड़ान शुरू हो चुकी है लेकिन उसका संचालन ज्यादा दिन नहीं चल सका है। अब एक बार फिर से पहल शुरू हुई है।महाकुंभ 2025 के दौरान प्रयागराज को देश के 23 शहरों से जोड़ने का लक्ष्य है। उसी क्रम में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, भुवनेश्वर, देहरादून, लखनऊ, भोपाल की उड़ानें अभी चल रही हैं जबकि अब तक जेट एयरवेज ने पटना, इंदौर, नागपुर व लखनऊ की सेवा, स्पाइस जेट ने दिल्ली और एयर इंडिया ने कोलकाता जाने वाली सेवा बंद कर दी। इसके अलावा रायपुर, पुणे, बिलासपुर की उड़ान भी इस समय बंद है।

अब फिर से उड़ानों की संख्या बढ़ाने का क्रम शुरू हुआ है। जिसमें अकासा एयर ने मुंबई के लिए नई सेवा शुरू कर दी है। जबकि सात जून से बिलासपुर की उड़ान एलाइंस एयर शुरू करेगा।

कोलकाता उड़ान की संभावित समय सारिणी

जून में प्रस्तावित कोलकाता उड़ान की संभावित समय सारिणी बनाई गई है।

बच्चे का एडमिशन न करने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

कैराना का मामला, हाईकोर्ट ने कहा– उचित कारण नहीं तो दोषी अधिकारियों पर गंभीर आदेश होगा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी में अनिवार्य शिक्षा कानून के तहत प्राइमरी स्कूल में प्रवेश देने से इंकार करने के मामले में राज्य सरकार से उचित कारण सहित जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा है कि यदि प्रवेश से इंकार करने का उचित कारण नहीं बता सके तो कोर्ट दोषी अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आदेश देगी।

हाईकोर्ट ने याचिका की अगली सुनवाई की तिथि 29 मई तय की है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल ने मास्टर अमान अहमद व तीन अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया।

सरकारी वकील ने अधूरी जानकारी दी

याची का कहना है कि वह कैराना का निवासी है। उसने प्राइमरी स्कूल में प्रवेश का आवेदन दिया किंतु बिना उचित कारण के उसे प्रवेश देने से इंकार कर दिया गया। कोर्ट ने इस मामले पर जानकारी मांगी थी। सरकारी वकील ने कहा मिली जानकारी अधूरी है, इसलिए पूरी जानकारी के लिए समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा ईडब्ल्यूएस श्रेणी में प्रवेश का मामला है, इसलिए मांगी गई जानकारी देने में अधिकारी सावधानी बरतें। यदि इस मामले में उचित कारण सामने न आया तो दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने कैराना में हुए दाखिले को लेकर भी जवाब तलब किया है।

फूलपुर में तालाब में डूबकर युवक की मौत

बारात करने के लिए रिश्तेदारी में आया था युवक, बारात निकलने से पहले हुआ हादसा

फूलपुर, प्रयागराज। सराय ममरेज थाना अंतर्गत माधोराम का पूरा गांव में सोमवार को जहां एक तरफ बारात की तैयारी हो रही थी तो वहीं दूसरी तरफ एक युवक की तालाब में डूब कर मौत हो जाने से उसकी अर्थी सजने की भी तैयारी होने लगी। ऐन वक्त पर अकाल मौत से दो गांवों में कोहराम मच गया। उतरांव थाना क्षेत्र के याकूबपुर गाँव निवासी बुल्ले पटेल का बेटा सुधांशु पटेल

17 वर्ष सराय ममरेज थाना क्षेत्र के माधो राम का पूरा गांव में रिश्तेदारी गया था। वहाँ बसंत लाल पटेल के बेटे राजेश पटेल की आज गुलरा बारात जानी है। इसलिए सुबह से ही एक तरफ डोली सजने की तैयारी हो रही थी तो वही रिश्तेदारी में गया सुधांशु पटेल गांव के ही तालाब में नहाने लगा। अचानक गहरे पानी में चले जाने से उसकी डूब कर मौत हो गई। वही याकूबपुर गाँव युवक के घर के लोगों को जानकारी हुई तो दहाड़े मार कर रोने लगे। एक तरफ जहां डोली की तैयारी हो रही थी तो सुधांशु की मौत से उसकी अर्थी की भी तैयारी होने लगी।

सुधांशु दो भाई एक बहन में बड़ा भाई था

शादी की सारी खुशियाँ काफूर हो गई। मौके पर घर के लोग पहुँच कर शव को याकूबपुर गाँव लाकर युवक का आये। सुधांशु दो भाई एक बहन में बड़ा भाई था। अचानक मौत से घर वालों पर गमों का पहाड़ टूट पड़ा। मौत की सूचना पर बुल्ले के घर भारी भीड़ जमा हो गयी। मुंह बोले बेटे की अचानक मौत से मां का रो–रो कर बुरा हाल हो गया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में फिर सुनवाई

हाईकोर्ट में 5 घंटे चली बहस, वकीलों ने की वाद खत्म करने की मांग

प्रयागराज । और स्थायी निषेधाज्ञा के लिए मुकदमा दायर किया गया है। मुकदमे में प्रार्थना से पता चलता है कि ईदगाह मस्जिद का ढांचा वहां मौजूद है और मस्जिद प्रबंध समिति का उस पर कब्जा है।शाकुम्भरी पीठाधीश्वर आशुतोष पाण्डेय ने मस्जिद पक्ष के वकीलों की अधिकारिता को लेकर कुछ आपत्तियां उठाई और दाखिल आपत्तियों का हवाला दिया। उन्होंने कहा था कि वाद की पोषणीयता पर ऑर्डर 7 रूल 11 की मस्जिद पक्ष की आपत्ति खारिज की जाए और सिविल वाद की सुनवाई की जाए। फिलहाल कल इलाहाबाद हाईकोर्ट में सूट नम्बर 5 और 15 पर सुनवाई होगी। माना जा रहा है कि जल्द ही सभी वादों पर सुनवाई पूरी होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट अपना फैसला सुरक्षित करेगा। मुस्लिम पक्ष ने दीवानी मुकदमे की पोषणीयता, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991, लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम आदि बिंदुओं पर अपनी बात रखी है। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद को लेकर दाखिल 18 मुकदमे की सुनवाई हाईकोर्ट में लगातार चल रही है।

इससे पहले की सुनवाई में क्या हुआ था

हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बहस की थी। कहा था कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि एक संरक्षित स्मारक है। यह राष्ट्रीय महत्व का स्मारक भी है इसलिए यह प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल अवशेष अधिनियम 1958 से संचालित होगा। नहीं लागू होंगे प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के प्रावधान हिंदू पक्ष के वकीलों ने बहस के दौरान कहा था कि ऐसी स्थिति में इस मामले में प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के प्रावधान लागू नहीं होंगे। उन्होंने कहा– पूजा–अर्चना हमारा मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि मुकदमा विचारणीय है। विचारणीय न होने की याचिका पर प्रमुख साक्ष्यों के बाद ही निर्णय लिया जा सकता है। इसलिए मुकदमे की पोषणीयता के संबंध में सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत प्रस्तुत अर्जियों को खारिज किया जाना चाहिए। इस मामले में अगली सुनवाई 7 मई को होगी। मुकदमे में मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि से शाही ईदगाह मस्जिद की संरचना हटाने के बाद कब्जे के साथ मंदिर की बहाली और स्थायी निषेधाज्ञा की मांग की गई है।

हिंदू पक्ष का दावा–ईदगाह का ढाई एकड़ का एरिया भगवान का गर्भगृह

मंदिर पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में दावा किया गया था कि ढाई एकड़ में बना शाही ईदगाह कोई मस्जिद नहीं है। मंदिर पक्ष के लोगों ने मंगलवार को बहस करते हुए तर्क दिया कि ईदगाह में केवल साल भर में दो बार नमाज पढ़ी जाती है जबकि मस्जिद में दिन भर में पांच बार नमाज होती है। शाही ईदगाह का पूरा ढाई एकड़ का एरिया भगवान का गर्भगृह है। सियासी षडयंत्र के तहत ईदगाह का निर्माण कराया गया था। प्रतिवादी के पास कोई ऐसा रिकॉर्ड नहीं है। सीपीसी के आदेश सात नियम 11 इस वाद में लागू नहीं होता है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को आपघत्तियों को दाखिल करने का समय दिया था। इससे पहले हाईकोर्ट ने मामले में अलग–अलग पक्षकारों को सुनने के बाद अपनी–अपनी आपघत्तियां को दाघखिल करने का समय दिया था।

गैंगस्टर मामले में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास और पत्नी निखहत को बड़ी राहत, कोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चित्रकूट पुलिस की ओर

से जेल में बंद मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी और उसकी पत्नी निखहत अंसारी समेत पांच लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने जबरन की गई गैंगस्टर की कार्रवाई के लिए पुलिस को फटकार भी लगाई है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेसपोंडेंट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समाअत अपील व निगरानी
न्यायालय अपर आयुक्त प्रयागराज मण्डल प्रयागराज
अपील संख्या 1027 /23 प्रयागराज

रोहित कुमार तिवारी
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार आदि
बनाम
देवेश तिवारी पुत्र स्व0 शारदा प्रसाद त्रिपाठी नि. मौज़ा रामपुर उर्फ बलरामपुर प. - झुन्सी , त. - फूलपुर , जिला प्रयागराज

आपको यह सूचना दी जाती है कि **तारीख 2 माह 7 वर्ष 2024** दिन .... समय दस बजे अपील/निगरानी कि सुनवाई के हेतु हुआ है । यदि आप इस न्यायालय मे उक्त विषय पीआर स्वतः अथवा किसी वकील के द्वारा उपस्थित न रहेंगे तो अपील/निगरानी कि सुनवाई करके आपकी अनुपस्थिति मे निर्णय कर दिया जाएगा।
नि.ति. 02/07/2024

न्यायालय अपर आयुक्त

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा समस्त दस्तावेजों मे मेरा **सही नाम कमलेश कुमार सिन्हा है जबकि ड्राइविंग लाइसेन्स मे विभागीय त्रुटिवश कमलेश कुमार सिंह** दर्ज हो गया है, जो गलत है , जबकि सही नाम कमलेश कुमार सिन्हा होना चाहिए ।

कमलेश कुमार सिन्हा
पुत्र कामेश्वरी प्रसाद सिन्हा
(केपी सिन्हा)
नि. मकान नंबर 176/6 ए
रसूलाबाद ,
इलाहाबाद/प्रयागराज ।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश इलाहाबाद
भरण पोषण वाद सं. 1403 सं 2023
1) **नजमा बानो** उम्र 50 वर्ष पत्नी मोहम्मद रशीद
2) **मोहम्मद साहिब** उम्र 13 वर्ष मोहम्मद रशीद (नाबालिग) जरिए संरक्षिका नैसर्गिक माता नजमा बानो, वर्तमान पता - सराय लाल खातून उर्फ शिवगढ़ , थाना व तहसील सोरांव जिला प्रयागराज ।
...प्रार्थिनी/याचीगण
बनाम
मोहम्मद रशीद उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र स्व. पीर मोहम्मद निवासी ग्राम भीमपुर, थाना फूलपुर, जिला प्रयागराज ।
...विपक्षी
(भरण पोषण वाद अंतर्गत धारा 125 दण्ड प्रक्रिया स.)
चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 06 के 29 दिवस को ...बजे पूर्वाह्न** में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया है।
ता.पेशी 29-06-2024 (वास्ते लिखित कथन)

न्यायाधीश

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 50 विद्युत/सा0/प्रयागराज/24-25 दिनांकः 22.05.2024
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु **ई-निविदा** दिनांक- 15.06.2024 समय 14:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा संबंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है।

निविदा सूचना संख्याः ELG-234-2425	काम की लागत : (₹ में): 3027231.72
कार्य का नाम: प्रयागराज स्टेशन पर PF -06 में द्वितीय प्रवेश द्वार के वीआईपी कमरों और परिसंचारी क्षेत्र में सुधार के संबंध में विद्युत कार्यों के लिए PRYJ स्टेशन पर कार्यकारी वीआईपी लाउंज की एयर कंडीशनिंग प्रणाली में सुधार ।	बिड सिक्योरिटी (₹ में): 60600.00

कार्य समाप्त करने की समयावधिः 03 माह, **निविदा खुलने की तिथि: 15.06.2024** समय 14:00बजे। नोटः-उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 14:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 908/24 (ADM)

संक्षिप्त

देश में होने वाली है स्पेक्ट्रम की नीलामी, 20 वर्षों के लिए मिलेगा, GST का करेंगी टेलीकॉम कंपनी भुगतान

देश के कई एक्टिव टेलीकॉम सर्विसेज प्रोवाइडर कंपनियां ने अपनी कमर कस ली है। इस बार टेलीकॉम प्रोवाइड कंपनियों जैसे भारतीय एयरटेल, रिलायंस जिओ इन्फोकॉम, वोडाफोन आइडिया जैसी टेलीकॉम सर्विस कंपनियों ने 8 स्पेक्ट्रम के लिए तैयारी शुरू कर दी है। आगामी 20 वर्षों के लिए आठ प्रकार के स्पेक्ट्रम बैंड के लिए यह सभी कंपनियां बोली लगा सकेंगे। इस बंद की बोली लगाने के बाद आने वाले समय में यूजर्स को 5ळ सर्विस में भी अच्छा बंद इंफ्रास्ट्रक्चर मिल सकेगा।

इस दिन होगा ऑक्शन

टेलीकॉम डिपार्टमेंट ऑफ़ टेलीकम्युनिकेशंस मोबाइल फोन सर्विस के लिए आठ स्पेक्ट्रम बैंड कि स्पेक्ट्रम नीलामी 6 जून को होगी। इस बार नीलामी की बेस प्राइज को 96,317 करोड़ रुपये रखा गया है। स्पेक्ट्रम बंटवारा पूरे 20 वर्षों के लिए होगा। जो भी बोली लगाने में कंपनी सफलता हासिल करेगी, उसे मेगा ऑक्शन में 20 सालाना किस्तों में एक प्रकार की पेमेंट करनी होगी। फ्रीक्वेंसी की कुल वैल्यू 96,317 करोड़ रुपये है जिसकी नीलामी की जाएगी।

टेलीकॉम कंपनियों को स्पेक्ट्रम फीस देनी होगी

टेलीकॉम विभाग के अधिकारी का कहना है कि टेलीकॉम कंपनियों को स्पेक्ट्रम फीस का भुगतान करना होगा। इस फीस के साथ ही उन्हें जीएसटी का भुगतान भी करना होगा। अधिकारी की मानें तो टेलीकॉम कंपनियों को हर किस्त के साथ 18 प्रतिशत जीएसटी चुकाना जरुरी होगा। अधिकारी की मानें तो जीएसटी काउंसिल आगामी बैठक में स्पेक्ट्रम नीलामी के दौरान बोली लगाने वाली कंपनियों के जरिए जीएसटी भुगतान की प्रक्रिया को स्पष्ट कर सकती है। अधिकारियों के मुताबिक नीलामी प्रक्रिया में जीएसटी कलेक्शन की विधि के बारे में अधिकारियों का भ्रम भी खत्म होगा।

ये मेगाहर्ट्ज होंगे नीलाम

इस नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड के सभी स्पेक्ट्रम की नीलामी की जाएगी।

शेयर बाजार में हुई शानदार शुरुआत, सेंसेक्स 75,500 के स्तर के पार, निफ्टी 22,992 पहुंचा

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआत काफी अच्छी हुई है। मजबूत शुरुआत के साथ बाजार खुला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही हरे निशान पर खुले हैं, जिससे शुरुआती कारोबार में तेजी आई है। घरेलू बाजारों में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में तेजी आई। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 194.9 अंक चढ़कर 75,585.40 अंक पर रहा। वहीं एनएसई निफ्टी 59.95 अंक बढ़कर 22,992.40 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील,

विप्रो, भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। टेक महिंद्रा, आईटीसी, पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स और टाइटन के शेयर को नुकसान हुआ। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे सत्र में रिकॉर्ड तेजी आई थी। आम चुनाव के परिणाम चार जून को घोषित किए जाएंगे।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी का बयान, कहा- `टी20 वर्ल्ड कप के दौरान हार्दिक पंड्या के लिए बदल जाएगा माहौल', रोहित-कोहली का भी किया जिक्र

हरभजन सिंह इस बात से काफी प्रभावित हैं कि कैसे विराट कोहली ने इस साल के आईपीएल के दौरान कई शॉट्स जोड़कर टी20 खेल में बदलाव किया, जिससे उनके स्ट्राइक रेट में काफी सुधार हुआ है। हरभजन सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि, विराट कोहली ने पिछले साल से इस साल तक काफी सुधार दिखाया है।

पूरी दुनिया के क्रिकेट फैंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टूर्नामेंट का आगाज 1 जून से होने वाला है। वहीं ये टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ग्रुप और सुपर–8 चरण में खेला जाना है। टूर्नामेंट में 4 ग्रुप ए, बी, सी, डी हैं, जिनमें ग्रुप ए में भारतीय टीम शामिल है। टीम इंडिया का पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड से न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाना है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हिस्सा लेने के लिए टीम इंडिया के कई खिलाड़ी अमेरिका पहुंच चुके हैं। बाकि अगले दिनों में पहुंच जाएंगे। वहीं टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज हरभजन सिंह ने भारतीय टीम को कुछ सुझाव दिए हैं। वहीं हरभजन सिंह इस बात से काफी प्रभावित हैं कि कैसे विराट कोहली ने इस साल के आईपीएल के दौरान कई शॉट्स जोड़कर टी20 खेल में बदलाव किया, जिससे उनके स्ट्राइक रेट में काफी सुधार हुआ है। हरभजन सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि, विराट कोहली ने पिछले साल से इस साल तक काफी सुधार दिखाया है। लोग उनके स्ट्राइक रेट के बारे में भी बात करते हैं। पिछले साल ये 130 के आसपास था जबकि इस बार 160 के आसपास है। साथ ही भारतीय दिग्गज ने कहा कि, मुझे लगता है कि यशस्वी जायसवाल को खेलना चाहिए। मुझे नहीं पता कि वे इसे प्लेइंग इलेवन में कैसे शामिल करने जा रहे हैं। लेकिन अगर वह नहीं खेलता है तो जाहिर तौर पर रोहित और विराट को ओपनिंग करने और टी20 फॉर्मेट की तरह खेलने की जरूरत है। रोहित शर्मा को लेकर हरभजन सिंह बोले, वह पहले 6 ओवरों में तेजी से रन बनाने के लिए हमेशा अपनी बल्लेबाजी में बड़ा बदलाव चाहते हैं। अगर ऐसा परिदृश्य है तो, अनुभव के सात जा रहे हैं, लेकिन उन्हें विराट कोहली और रोहित शर्मा ध्यान में रखना होगा कि वह टी20 फॉर्मेट में खेल रहे हैं। उन्हें परिस्थितियों का सामना करना होगा। साथ ही हरभजन सिंह ने हार्दिक पंड्या के साथ सहानुभूति जताई है। उन्होंने कहा कि, हार्दिक पंड्या करियर में एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, हरभजन को उम्मीद है कि ये ऑलराउंडर अगले महीने होने वाले टी20 वर्ल्ड के दौरान शानदार प्रदर्शन करेगा। हार्दिक पंड्या को आईपीएल 2024 के दौरान जब भी मैदान पर उतरते थे तो उन्हें हूटिंग का शिकार होना पड़ता था।

नरेन्द्र मोदी से लेकर शाहरूख खान तक, ये फर्जी आवेदन टीम इंडिया के हेड कोच के लिए आए

गली क्रिकेट के अनुभव वाले एक डॉक्टर ने इस पद के लिए आवेदन करने का दावा किया है और एक हास्यास्पद पोस्ट में अपनी योग्यता को उचित ठहराया है। इस व्यक्ति ने लिखा मैंने अपने स्कूल के वर्षों में गली क्रिकेट खेला है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भारत के मुख्य कोच (पुरुष) पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार की तलाश है। इस एक पद को पाने के लिए बीसीसीआई को 3,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। हालाँकि, द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार बीसीसीआई को मिले कई आवेदन फर्जी नाम से भी किए गए है। दरअसल बीसीसीआई को मिले कई आवेदन ऐसे हैं जिनमें कई पूर्व क्रिकेटरों, राजनेता, अभिनेता के नाम से आवेदन हुए है। फर्जी आवेदकों नरेंद्र मोदी, अमित शाह, सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के नाम से आवेदन किया है। बीसीसीआई को पहले भी फर्जी आवेदकों की समस्या का सामना करना पड़ा है। इससे पहले वर्ष 2022 में भी जब बीसीसीआई ने एक नए मुख्य कोच की तलाश की, तो उन्हें सेलिब्रिटी नामों के तहत लगभग 5,000 फर्जी आवेदन मिले थे। खैर सेलिब्रिटी के नाम पर मिले आवेदन फर्जी ही थे। पहले, उम्मीदवारों को अपना आवेदन ईमेल द्वारा भेजना होता था। इस बार बीसीसीआई ने गूगल फॉर्म का इस्तेमाल किया है। पिछले साल भी, बीसीसीआई को ऐसी प्रतिक्रिया मिली थी जहां धोखेबाजों ने आवेदन किया था और इस बार भी कहानी वैसी ही है। जानकारी के मुताबिक बीसीसीआई को गूगल फॉर्म पर आवेदन आमंत्रित करने का कारण यह है कि एक शीट में आवेदकों के नामों की जांच करना आसान है। बता दें कि राहुल द्रविड़ की जगह लेने के लिए एलिजिबल होने के लिए किसी को कम से कम 30 टेस्ट मैच या 50 एकदिवसीय मैच खेलना अनिवार्य है। इसके साथ ही कम से कम दो वर्षों के लिए पूर्ण–सदस्यीय टेस्ट खेलने वाले राष्ट्र को प्रशिक्षित करना होगा। बीसीसीआई द्वारा आवेदन मांगने के लिए गूगल फॉर्म के इस्तेमाल के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। कई लोग इस बात से नाराज थे कि इतनी हाई–प्रोफाइल पोस्ट के लिए नौकरी के आवेदन गूगल फॉर्म के माध्यम से मांगे गए थे, जबकि अन्य ने मीम्स और व्यंग्यात्मक टिप्पणियों के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की।

गली क्रिकेट के अनुभव वाला डॉक्टर

गली क्रिकेट के अनुभव वाले एक डॉक्टर ने इस पद के लिए आवेदन करने का दावा किया है और एक हास्यास्पद पोस्ट में अपनी योग्यता को उचित ठहराया है। इस व्यक्ति ने लिखा मैंने अपने स्कूल के वर्षों में गली क्रिकेट खेला है। मेरी गेंदें खेलने योग्य नहीं थीं, मेरा मतलब है, मैंने जो गेंदें फेंकी वे खेलने योग्य नहीं थीं क्योंकि वे बल्लेबाज के छोर पर स्टंप तक कभी नहीं पहुंचीं। मैं भी एक स्टाइलिश बल्लेबाज था। सन हैट, शेड्स, च्युइंग गम, सनस्क्रीन, मेरी पतलून की जेब से निकला लाल रूमाल... काम, आप देखिए, सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा।

आईसीसी ने अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट को 'लिस्ट-ए' का दर्जा दिया

आईसीसी ने एक एसोसिएट–संचालित फ्रेंचाइजी लीग को लिस्ट–ए का दर्जा दे दिया है। ये क्रिकेट लीग और कोई नहीं बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका में खेली जाने वाली मेजर लीग क्रिकेट है। वहीं इस मामले में मेजर लीग क्रिकेट दूसरी एसोसिएट संचालित फ्रेंचाइजी प्रतियोगिता बन गई है। जबकि पहले नंबर पर यूएई के आईएलटी–20 है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, आईसीसी ने एक एसोसिएट–संचालित फ्रेंचाइजी लीग को लिस्ट–ए का दर्जा दे दिया है। ये क्रिकेट लीग और कोई नहीं बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका में खेली जाने वाली मेजर लीग क्रिकेट है। वहीं इस मामले में मेजर लीग क्रिकेट दूसरी एसोसिएट संचालित फ्रेंचाइजी प्रतियोगिता बन गई है। जबकि पहले नंबर पर यूएई के आईएलटी–20 है। मेजर लीग क्रिकेट को पिछले साल अपने पहले सीजन में फैंस का भरपूर प्यार मिला था। पहले सीजन में मिली भरपूर कामयाबी के बाद लीग ने दूसरे सीजन का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। मेजर लीग क्रिकेट के दूसरे सीजन की शुरुआत 5 जुलाई से होने वाली है।

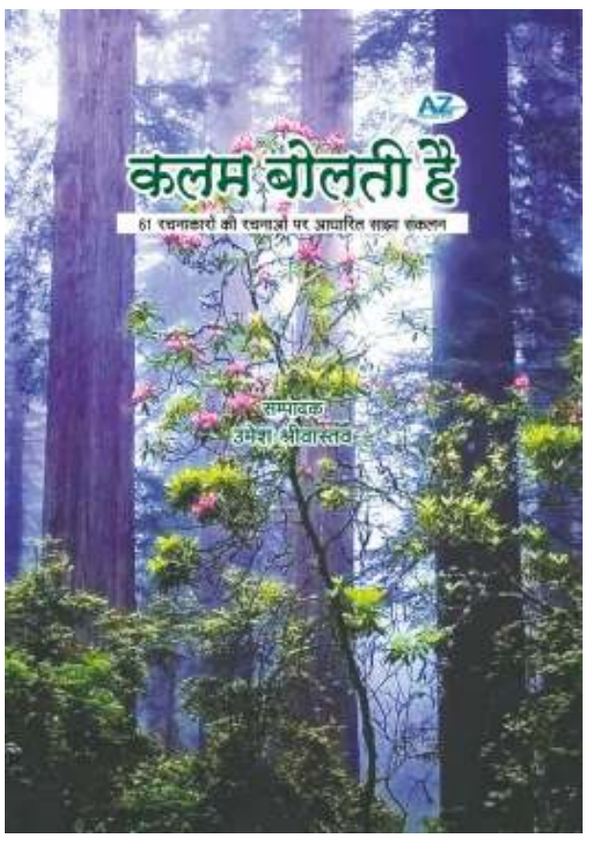

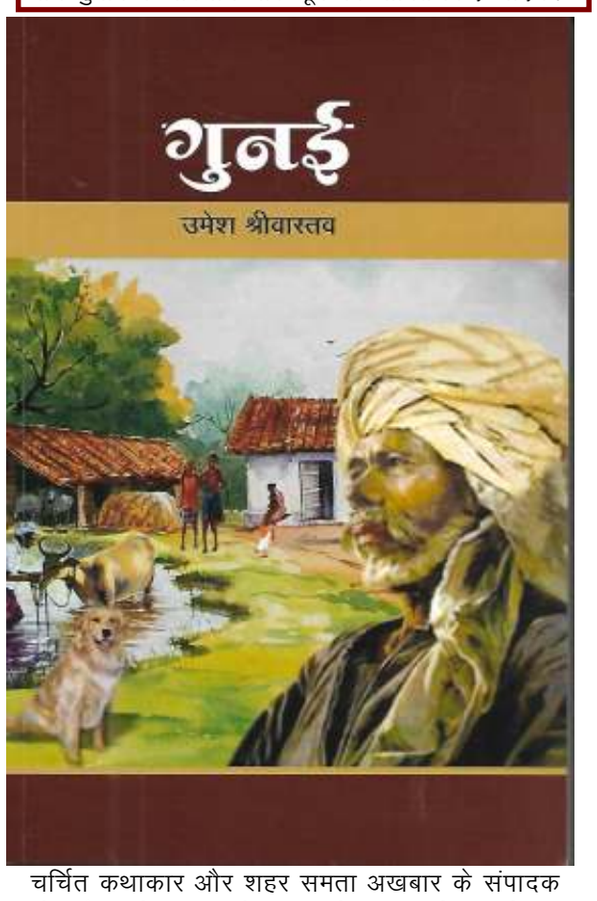

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

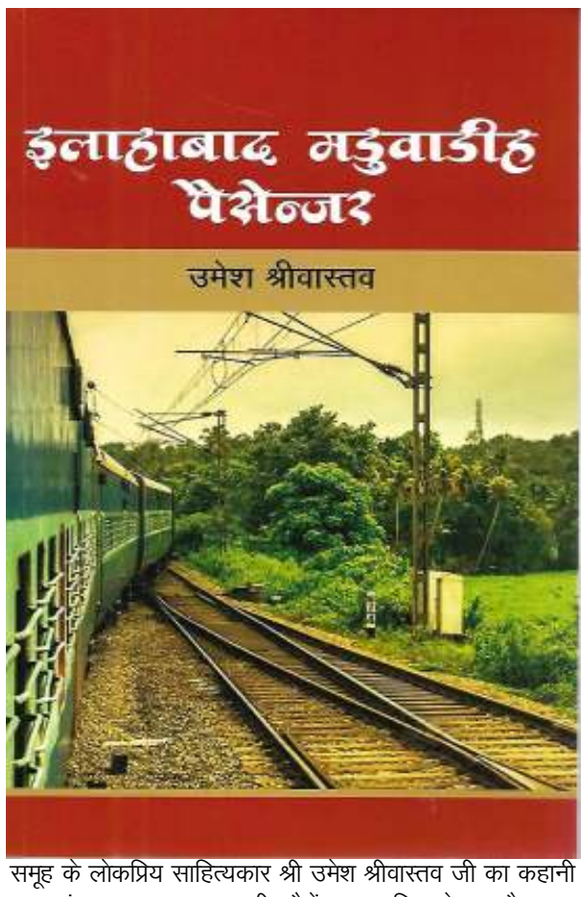

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

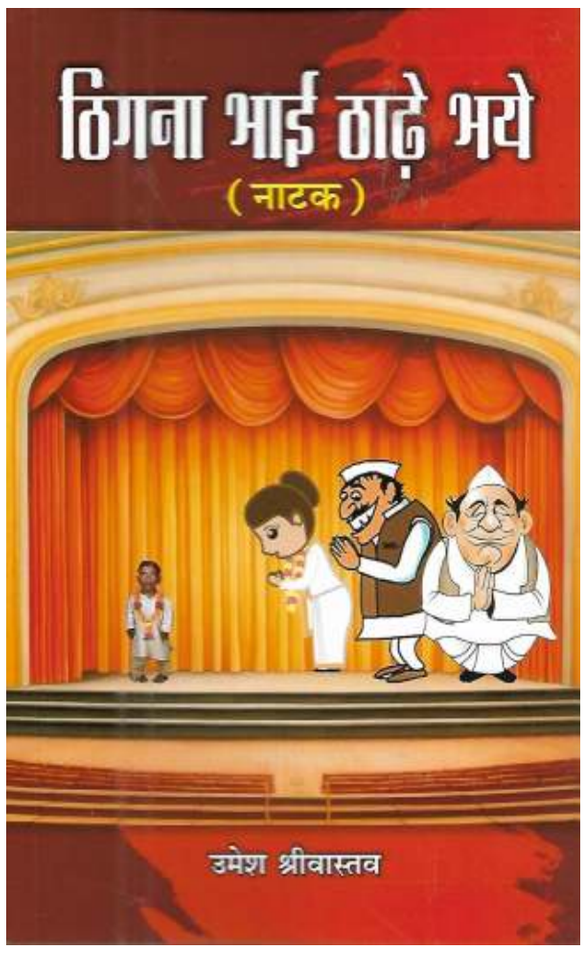

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

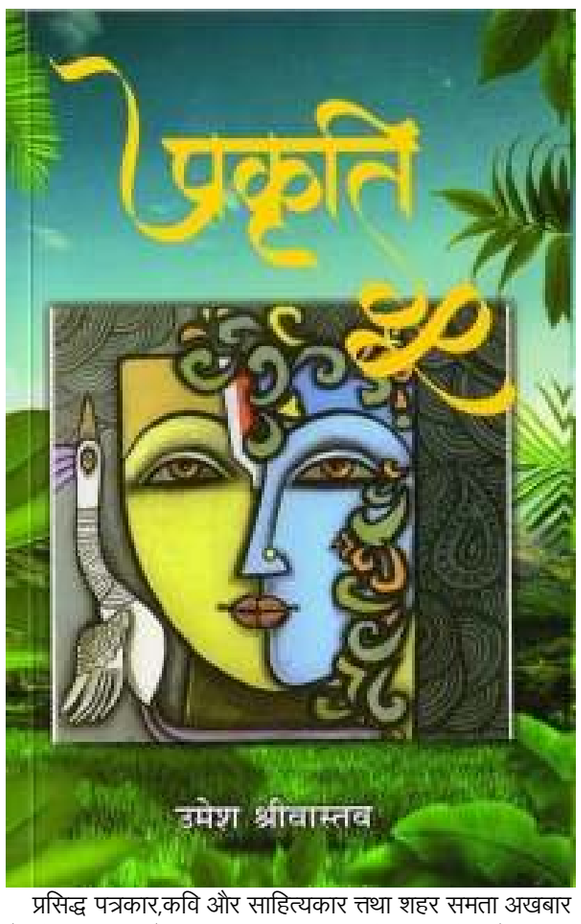

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष् लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

सम्पादकीय.....

स्वाह हुई मासूम जिंदगियां

आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए दो अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते राजकोट के गेमजोन में हुए अग्निकांड में बच्चों समेत 27 लोगों की मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर जिंदगी की उम्मीद को लेकर बेबी केयर होम में रखे सात बच्चे असमय काल–कवलित हो गए। हरियाणा के बहुचर्चित डबवाली अग्निकांड में भी आपराधिक लापरवाही से सौ से अधिक बच्चों के मरने का जो सिलसिला देखा गया था, वह अब भी खत्म नहीं हुआ है। विडंबना देखिए कि गुजरात के राजकोट स्थित जिस गेम जोन को चार साल से चलाया जा रहा था, उसके पास फायर विभाग की अनुमति नहीं थी। लापरवाही की इंतहा देखिये कि गर्मी के मौसम में तेज हवा के दौरान वहां बच्चों व अभिभावकों की उपस्थिति के बीच वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। जिसे आग लगने की वजह बताया जा रहा है। परिस्थितियां इतनी भयावह थी कि मृतकों के शव पहचानने मुश्किल हो रहे हैं और शवों के डीएनए नमूने लेकर उनकी पहचान की कोशिश की जा रही है। भयावह हादसे के बाद सख्त कार्रवाई, जांच, दंड, संवेदना और मुआवजे की घोषणा की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। लेकिन यह कभी नहीं कहा जाता कि जिन अधिकारियों व विभागों की जिम्मेदारी इन लापरवाहियों पर नजर रखने की थी, उनके खिलाफ कौन सा सख्त कदम उठाया जा रहा है। बहरहाल, राजकोट में गेम जोन में हुए हादसे के बाद एक मैनेजर व अन्य व्यक्ति समेत दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। हर बार की तरह एसआईटी का गठन हुआ है। कोई आयोग भी बैठ सकता है। लेकिन सवाल वही है कि समय रहते फायर एनओसी क्यों नहीं लिया गया? प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी देर से पहुंची। राजकोट के सिविल अस्पताल के बाहर अपनों के शवों की तलाश में खड़े लोगों की आंखों के आंसू व आक्रोश व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बताते हैं कि गेम जोन से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। बता दें कि मोरबी सस्पेंशन ब्रिज त्रासदी में मरने वालों में एक तिहाई बच्चे थे। सूरत में तक्षशिला कांप्लेक्स आग त्रासदी में 22 छात्रों की मौत हुई थी। लेकिन इन घटनाओं से भी कोई सबक प्रशासन ने नहीं सीखा। लगता है मासूमों व निर्दोष लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ की अनदेखी करना सिस्टम की आदत बन गई है। वडोदरा की हरणी झील में भी जीवन रक्षक जैकेट के बिना नाव में सवार 12 बच्चों व दो शिक्षकों की मौत इस साल जनवरी में हुई थी। वहीं दिल्ली स्थिति विवेक विहार के बेबी केयर सेंटर में सात नवजातों की मौत ने हर किसी को रुलाया। मां–बापों को अपने जिगर के टुकड़े खोने का समाचार सुबह टीवी व अखबारों से पता चला। एक बच्चे की देखभाल का प्रतिदिन पंद्रह हजार वसूलने वाले प्रबंधकों ने ही नवजातों को मौत की नींद सुला दिया। जिंदगियां छीनने वाले लोगों को शीघ्र सख्त सजा मिलनी चाहिए।

कैसे करें किसानी

पवन नागर

इतिहास के अधकचरे ज्ञान, मुस्लिमों के प्रति नफरत तथा विभाजनकारी सोच के चलते अनुच्छेद हटाया गया था। इसके साथ ही प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू तथा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को कोसने का वह साधन मात्र रहा।

कई राज्यों में भारी बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की खड़ी फसल को हाल में काफी नुकसान पहुंचाया है और मौसम विभाग के अनुसार अभी आगे भी मौसम के तेवर यूं ही सख्त बने रहने की संभावना है। भले ही किसानों को श्न्यूनतम समर्थन मूल्यश (एमएसपी) का कानून न मिले, भले ही खराब हुई फसलों का मुआवजा न मिले, परंतु किसानों को सरकार और मौसम की मार मिलना तय है। किसानों पर दोहरी मार पड़ने की परंपरा बहुत पुरानी है। एक तो फसलों के सही दाम नहीं मिलते और ऊपर से अब तो लगभग हर साल ही मौसम की मार किसानों को झेलनी पड़ रही है। देश में महंगाई का बोलबाला है, परंतु किसानों की फसलों के दाम वैसे नहीं बढ़ते जैसे सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और सैलरी बढ़ती है, जैसे देश के माननीय सांसदों और विधायकों की सैलरी बढ़ती है? आखिर देश के करोड़ों लोगों का पेट और व्यापारियों के वेयर हाऊस भरने वाले किसानों को अपनी उपज का दाम मिलने में इतनी परेशानी क्यों है? क्या कारण है कि सरकार इनको एमएसपी भी नहीं दे पा रही है? एक तरफ तो सरकार कह रही है कि किसानों की आमदनी दुगुनी हो गई है, दूसरी तरफ उन्हें 6000 रुपये सालाना किसान सम्मान निधि भी दी जा ही है। जब सरकार को किसानों की इतनी ही चिंता है तो फिर स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार एमएसपी पर सी 250फीसदी फॉर्मूले के मुताबिक एमएसपी क्यों नहीं दे देती? यदि इस हिसाब से किसानों को अपनी फसल के दाम मिलने लगेंगे तो किसानों को शकिसान सम्मान निधिश की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार को श्एमएसपीश को उत्पादन की औसत लागत से कम–से–कम 50प्रतिशत अधिक बढ़ाना चाहिए। इसे सी250प्रतिशत फॉर्मूले के नाम से भी जाना जाता है। इस फॉर्मूले में किसानों को 50प्रतिशत रिटर्न देने के लिए पूंजी की अनुमानित लागत और भूमि का किराया (जिसे सी–2 कहा जाता है) शामिल है। यदि सरकार चौधरी चरण सिंह जी और स्वामीनाथन जी को भारतरत्न दे सकती है तो फिर किसानों को उन्हीं की रिपोर्ट के अनुसार श्एमएसपीश क्यों नहीं दे सकती? आश्चर्य की बात तो यह है कि चुनाव के समय में भी सरकार की तरफ से कोई नरमी नहीं बरती जा रही। इस बार के चुनावी अंतरिम बजट में सभी वर्गों एवं किसानों को बड़ी उम्मीदें थीं, परंतु किसी को कुछ हाथ नहीं लगा। उल्टा कृषि बजट में कटौती कर दी गई। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु बजट में कोई प्रावधान नहीं रखे गए। प्रश्न उठता है कि देश के किसानों के हालातों में कैसे सुधार आएगा? एक तरफ किसानों की लागत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, लागत के अनुपात में फसलों के दाम नहीं मिल रहे, वहीं दूसरी तरफ मौसम के कारण फसलों को जो नुकसान होता है उसका मुआवजा और बीमा भी समय पर नहीं मिलता। किसानों की परेशानी कम होने का कोई रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है। किसानों को बीमा तथा मुआवजा समय पर मिलें, इसके लिए भी ठोस कदम उठाना चाहिए। दृढ़ निश्चय, ईमानदारी और सही नीयत के साथ यदि काम किया जाएगा तो इस कार्य को करने में कोई कठिनाई नहीं है। दूसरी ओर किसानों को भी प्रयास करना चाहिए कि वे एकल फसल पद्धति छोड़कर अन्य फसलों का भी रकबा बढ़ाएं, ताकि उत्पादन को नियंत्रित करके फसलों के सही दाम लिए जा सकें। इसे हम एक उदाहरण से समझते हैं। मान लेते हैं कि एक 5 एकड़ का किसान रबी सीजन में गेहूं की फसल से 100 क्विंटल उत्पादन लेता है, जबकि खरीफ सीजन में धान लगाकर 75 क्विंटल उत्पादन लेता है। दोनों फसलों से किसान को 175 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। अब किसान के पास भंडारण की व्यवस्था नहीं है, इसलिए यह माल बेचना उसकी मजबूरी हो जाएगी। यदि किसान इस 5 एकड़ में रबी सीजन में सरसों, चना, मसूर,अलसी, जौ, धनिया इत्यादि फसलों का रकबा बढ़ा दे और गेहूं सिर्फ एक एकड़ में लगाए तो उसको सिर्फ 20 क्विंटल गेहूं मिलेगा। बाकी 4 एकड़ में दूसरी फसलों से उसे उसकी जरूरत का सामान भी मिलेगा और गेहूं की अपेक्षा अधिक दाम भी मिलेगा, खर्च भी कम होगा और मजबूरी में बेचने की समस्या से भी निजात मिलेगी। किसान ने हर फसल का सीमित उत्पादन किया है जिसे वह साल भर अपने हिसाब से बेच सकता है। इन फसलों के अलावा भी बहुत सारी फसलें हैं जिन्हें अपने खेत में लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर, यदि अधिक–से–अधिक फसलें अपने खेत में उत्पादित करें तो सरकारों और व्यापारियों के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दो एकड़ से लेकर 15 एकड़ वाले छोटे किसान यह कर सकते हैं कि वे अपनी जमीन में अपनी जरूरत की सभी चीजों का थोड़ा–थोड़ा उत्पादन लें और सीधे ग्राहकों को बेचें। सरकार और व्यापारियों के भरोसे खेती न करें, बल्कि अपने ग्राहकों के भरोसे खेती करें। सरकार चाहे श्एमएसपीश की गारंटी न दे, परंतु यदि आप अपने ग्राहकों को भरोसे की गारंटी देने में कामयाब हो गए तो आपको कर्ज से भी मुक्ति मिलेगी और मंडियों के चक्करों से भी। काम कोई ज़्यादा कठिन नहीं है, बस अपनी पढ़ाई–लिखाई का इस्तेमाल करके योजनाबद्ध तरीके से काम करने से इस समस्या का हल निकल आएगा। यदि आपको अपनी खेती की जमीन को बचाना है तो प्रयास करना होगा। चुनावी घोषणाओं की गारंटी और मौसम का कोई भरोसा नहीं है, इसलिए मुगालते में न रहें। किसानों की एकजुटता और बहुफसली प्रणाली ही समस्या का समाधान है। गेहूं और धान के अधिकाधिक उत्पादन से समस्या और विकराल हो जाएगी, इसलिए समय रहते इन फसलों का रकबा कम करते जाएं और अन्य फसलों का रकबा बढ़ाते जाएं।

डा० नीलिमा मिश्रा की डायरी(25)

बेटी के जन्म पर आँसू बहाते हुए....

समय के साथ एक बदलाव देखकर मेरा मन प्रफुल्लित हो जाता है कि लड़कियों के प्रति लोगों का नजरिया बदल रहा है। अब पहले की तरह बेटी के जन्म पर लोग आँसू बहाते हुए३३.. नहीं दिखाई देते हैं।बेटी की शिक्षा के प्रति भी लोगों जागरूकता बढ़ी है। लड़कियाँ भी अपनी क्षमता के अनुरूप हर क्षेत्र में नए–नए कीर्तिमान गढ़ रही हैं, जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। यह देखकर अच्छा लगता है३३लेकिन कई स्थानों पर इसी का बिलकुल उलट भी दिखाई पड़ता है , जिस पर भी मैं गौर रख रही हूँ कि कई परिवार तो भ्रूण परीक्षण करवा कर बेटी को कोख में मार गिराने का जघन्य अपराध भी कर रहे हैंजिसका दंड भले ही उन्हें भारतीय संविधान की धारा के अनुरूप न मिल सके लेकिन उन्हें कर्म के सिद्धांत के अनुरूप दंड जरूर भुगतना पड़ेगा। क्योंकि ईश्वरीय न्याय अटल होता है।

मुझे इस बात पर भी आश्चर्य होता है कि आज संचार–क्रांति के युग में,जब हर आदमी किसी भी प्रकार की सूचना से अछूता नहीं है,तो कई समाज बेटियों के प्रति क्यों इतना पिछड़ा हुआ रवैया रखते हैं? लड़कियों के पहनावे, उनके तौर–तरीकों पर उँगलियाँ उठाने से लोग बाज नहीं आते हैं ।दहेज हत्या, एसिड से जला देने, बलात्कार की घटनाएँ हर अखब्बार की सुर्खध्यिों में रहती हैं। इस मानसिकता को बदलने की बहुत बड़ी जरूरत है। मुझे लगता है कि जब तक स्त्री जाति के प्रति द्वेष और उन्हें अपने से हीन समझने की प्रवृत्ति लोगों के मन में रहेगी तब तक कोई बदलाव नहीं आएगा ।हमारे संविधान ने स्पष्ट रूप से नारी–पुरुष को एक समान माना है और दोनों को समान अधिकार दिए हैं। लेकिन कघनून अपनी जगह है और लोगों का व्यवहार अपनी जगह ! इस खाई को पाटने के लिए एक नई शुरुआत की जरूरत है।

प्रायः आजकल देखा गया है कि अनेकों परिवारों में बेटियाँ, बेटों से भी ज़्यादा अपने माता–पिता का खध्याल रखतीं हैं, उनका मान बढ़ा रही हैं, माँ–बाप के बुढ़ापे का सहारा बन रहीं हैं। ध्यातव्य हो कि मैं किसी भी तरह से बेटों की कमी नहीं निकाल रही हूँ,और न ही बेटों को कमतर बताने की कोशिश कर रही हूँ। नर–नारी दोनों ही इस सृष्टि का आधार हैं इसलिए मेरा यह मानना है कि बेटी हो या बेटा दोनों को समान समझना आवश्यक है और बिना किसी भेदभाव के दोनों को समान अवसर मिलना चाहिए। बचपन से एक हीन ग्रंथि, कि तुम्हें तो ससुराल जाना है, यह घर तुम्हारा घर नहीं है, यह सब कहकर बच्चियों को हतोत्साहित नहीं करना चाहिए। अगर हम घर्मशास्त्रों को उठाकर देखें तो यह मिलता है कि वैदिक काल में स्त्रियों की पूर्ण स्वतंत्रता थीं। शिक्षा और स्वयंवर ही नहीं, बल्कि विवाह के लिए अपने वर का चयन कन्या स्वयं ही करती थी। लड़कियां भी गुरुकुलों में शिक्षा प्राप्त करती थीं। आश्रमों में ब्रह्मचर्य अनिवार्य था और सह–शिक्षा (को–एजुकेशन) का प्रचलन था।

वैदिक कघलीन विद्वान स्त्रियों में विश्ववरा, अपाला, घोषा, लोपामुद्रा, मैत्रेयी और गार्गी का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इन्हें ऋषि पद प्राप्त था। ऋग्वेद में (अगस्त्य मुनि के साथ) लोपामुद्रा कई ऋचाओं की रचयिता हैं। वैदिक काल की महान दार्शनिक गार्गी तत्कालीन मिथिला नरेश महाराजा जनक के दरबार के नवरत्नों में से एक थीं। वेद की अनेक ऋचाओं की रचना के अलावा उन्होंने गार्गी संहिता नामक पुस्तक भी लिखी। चारों वेदों में नारी विषयक सैकड़ों मंत्र हैं। ऋग्वेद में 24 और यजुर्वेद में 5 विदुषी स्त्रियों का उल्लेख मिलता है। इसी प्रकार ऋग्वेद में नारी विषयक 422 मंत्र हैं। यजुर्वेद के अनुसार वैदिक काल में कन्या का उपनयन संस्कार भी होता था ।ब्रह्मवादिनी घोषा ऋग्वेद की संख्या 10 के पूरे दो अध्यायों की लेखिका हैं, जिनमें प्रत्येक में 14–14 श्लोक हैं।

विशेष बात यह थी कि घोषा यद्यपि कुष्ठ रोग से पीडिघ्त थीं अतरू उसने, उस समय के विश्वप्रसिद्ध जुड़वाँ चिकित्सक भाइयों, अश्विनी कुमारों से प्रार्थना की कि वह कुष्ठ रोग के कारण अविवाहित हैं और अपने पिता के घर पर रहती हैं, अतरू अश्विनी कुमार उसका उपचार करें। घोषा की इस प्रार्थना पर अश्विनी कुमार उसे कुष्ठ से पूर्णतरू मुक्त कर देते हैं। इसके बाद घोषा का विवाह भी हो जाता है और वह खुशहाल जीवन जीने लगती है। इसके अलावा महाकाव्य काल में नारियों के पातिव्रत धर्म पालन और वीरता की अनेकों कहानियाँ प्रेरणादाई हैं।इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए हम सब को चाहिए कि लड़कियों के मन में आत्मविश्वास की भावना भरे और लड़कों को भी माता–पिता यह सिखाएँ कि लड़कियों का सम्मान करना उनका नैतिक दायित्व है लड़कियों पर फब्तियाँ कसना या उन्हें किसी भी तरह से हीन प्राणी समझने की जरूरत नहीं है सहअस्तित्व की भावना जैसे–जैसे बढ़ेगी हमारा समाज उन्नत होगा। भारत युवाओं का देश हैं जहां के हर युवा को चाहें वह लड़का हो या लड़की सब को राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी है और सभी भेदभावों को समाप्त करना है।

मिलजुल कर रहना है, बस आगे बढ़ना है।

बेटी–बेटे में, अब फर्कघ न करना है ।।

प्रयागराज

8127713641

अशिष्टता के शब्दकोश को नहीं अपनाएगी जनता

शकील अख्तर

कुफ्र टूटा खुदा खुदा करके! आखिर यह लंबा उकताने वाला चुनाव खत्म होने को आ ही गया। 6 दौर हो गए। सातवां और आखिरी एक जून को हो जाएगा। मगर यह एक जून आने में इतनी देर क्यों कर रही है? सब चाहते हैं कि यह जल्दी आए। चुनाव निपट जाएं ताकि प्रधानमंत्री को आराम मिल सके। सबको डर है कि अभी बचे 5 दिन में प्रधानमंत्री पता नहीं और क्या बोल जाएं! खुद उनका चुनाव बचा हुआ है। प्रियंका गांधी और डिंपल यादव ने उनके चुनाव क्षेत्र वाराणसी जाकर माहौल गर्म कर दिया है। दोनों का संयुक्त रोड शो बहुत सफल रहा। वाराणसी के लोगों में जिस तरह का उत्साह था वह प्रधानमंत्री को और उकसा सकता है। अभी तक उन्होंने क्या क्या बोला यह बताना बेकार है। इतिहास में भी कहीं दर्ज नहीं होगा। क्या कभी किसी ने इतिहास में पढ़ा है– भैंस! अभी हाल में मुजरा कहा है। इसके आगे अभी क्या क्या कह सकते हैं किसी को नहीं पता। एक लंबी लिस्ट है। जिसमें टोंटी भी है। बाकी चीजें मंगलसूत्र, बिजली, बैंक अकाउंट मछली वगैरह हम सोच सकते हैं कि हमारी बातचीत में कभी न कभी आने वाले शब्द हैं। मगर यह भैंस, मुजरा, टोंटी क्या आम बोलचाल में उपयोग होते हैं? भारत के प्रधानमंत्री जो कहते थे दुनिया उसे ध्यानपूर्वक सुनती थी। आज जो प्रधानमंत्री कह रहे हैं उसकी गांवों तक में हंसी हो रही है। सबसे ज्यादा मजा लोग भैंस खोल कर ले जाएंगे, का ले रहे हैं। कांग्रेस भैंस ले जाएगी! लोग हंस रहे हैं। कह रहे हैं कि सुना यह था कि कांग्रेस विदेशी कपड़े ले जाती थी। उसकी होली जलाती थी। अशिक्षा और गरीबी ले जाने की बात करती थी। बीमारियों को दूर करने की। पोलियो ड्राप की। गांव–गांव में प्राइमरी हेल्थ सेन्टर खुलवाए थे। मां और बच्चे का स्वास्थ्य देखा जाता था। स्कूल में मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) शुरू किया था। मगर ये भैंस ले जाएंगे? कहकर गांव वाले हंसते हैं। हमारे गांवों में हास्यबोध बहुत है। कामन सेंस भी। पहले भी शायद बताया कि कृषि के मामले में पहले नोबल पुरस्कार विजेता नार्मन बोरलाग ने कहा था कि– भारत के किसानों में सहज ज्ञान बहुत है। वे कृषि की अपनी पारंपरिक पद्धति को बहुत सफलतापूर्वक नई पीढ़ी को हस्तांतरित करते रहते हैं और नया ज्ञान भी सीखते रहते हैं। इन्दिरा गांधी द्वारा की गई हरित क्रान्ति से बोरलाग बहुत प्रभावित थे। तो भारत का ग्रामीण सब समझता है। उसमें जबर्दस्त सामान्य समझ है। जब इन्दिराजी ने हरित क्रान्ति की शुरुआत की तब यह कहा जा रहा था कि भारत का किसान नई खेती के लिए तैयार नहीं होगा। यह वे लोग थे जो भारत को यथास्थितिवादी बनाए रखना चाहते थे। किसी भी नए परिवर्तन से बचते थे। मगर भारत के किसान ने बहुत तेजी के साथ नई खेती में दिलचस्पी ली।

असुरक्षा में जीने को अभिशप्त भारतीय

भारतीय अपने जीवन में खतरों को झेलने और उनके प्रति स्थायी रूप से असंवेदनशील बने रहने के आदी हो गये हैं। आये जिन देश के किसी न किसी में कोई न कोई बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती हैं लेकिन न तो नागरिक इस बात की मांग करते हैं कि उन्हें सुरक्षित जीवन जीने का माहौल दिया जाये और न ही सरकार– चाहे केन्द्र की हो या राज्यों की (किसी भी पार्टी की क्यों न हो), ऐसी परिस्थितियों को लेकर कोई गम्भीरता नहीं दिखाती। लोगों के जीवन को जिस तरह से सस्ता बना दिया गया है वह आधुनिक समय की भावना के एकदम विपरीत है। बाढ़, भूकम्प, बादल फटने, जमीन धसकने जैसी प्राकृतिक आपदाओं पर इंसान का बस नहीं होता और वे आधुनिकतम देशों में भी आती हैं, पर मनुष्य निर्मित दुर्घटनाओं के लिये किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। सख्त कानून व नियमों के जरिये एक सुरक्षित जीवन जीने के योग्य वातावरण बनाना सरकार का ही काम होता है जिसकी जिम्मेदारी से वह बच नहीं सकती, पर भारत में रोज होते हुए हादसे देखे जा सकते हैं– वह भी बहुतायत में। गुजरात के राजकोट में शनिवार को एक गेम जोन में भीषण आग लग गई जिससे 12 बच्चों समेत 28 लोगों की जलकर मौत हो गई। हालांकि 25 लोगों को बचा लिया गया। सप्ताहांत होने और 500 का टिकट 99 रुपये में मिलने के कारण भीड़ ज्यादा थी। बताया गया है कि वेल्डिंग की चिंगारी से यह आग लगी। यहां ज्यादातर सामग्रियां ज्वलनशील थीं, इसके चलते आग तेजी से फैल गई। असली बात यह है कि यहां आगजनी सम्बन्धी अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं लिया गया था। बहुत से बच्चों और बड़ों के शव तो पहचाने भी नहीं जा रहे हैं। डीएनए के जरिये वे परिजनों को सौंपे जा रहे हैं। रविवार को पूर्वी दिल्ली यानी यमुनापार के विवेक विहार में संचालित एक 2 मंजिला बेबी डे केयर में आग लगने से ही 7 नवजातों की मौत हो गई वहीं करीब इतने ही बच्चे झुलस गये हैं। यहां 12 बच्चों को किसी तरह से बचा लिया गया। उधर छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के एक गांव बोरसी में चल रही बारूद फैक्ट्री में शनिवार को विस्फोट हो गया जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। हालांकि एक की ही शिनाख्त हो सकी है और लगभग 7 शवों के फैक्ट्री के मलबे में दबे होने की आशंका है। विस्फोट इतना भयावह था कि 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई दिया और इससे न केवल कई मजदूरों के चिथड़े उड़ गये बल्कि फैक्ट्री का एक हिस्सा भी ढह गया। गांव वाले लम्बे समय से इस बारूद फैक्ट्री को हटाने की मांग कर रहे थे परन्तु उसके मालिक का सम्बन्ध मध्यप्रदेश के एक पूर्व मुख्यमंत्री से बताया जाता है इसलिये ऐसा हो न सका। ऐसी छोटी–बड़ी दुर्घटनाओं की लम्बी फेहरिस्त है जो कोई भी अपनी याददाश्त के बल पर बना सकता है। फिर वह चाहे गुजरात के मोरबी का पुल हो या कोलकाता का फ्लाईओवर जो निर्माण की अवस्था में ही ढह गयाय या फिर कोलकाता के एक अस्पताल में लगी भीषण आग अथवा कुछ साल पहले मुंबई लोकल रेलवे के एक स्टेशन का फुटओवर ब्रिज जो अपनी आयु पूरी कर चुका था। पीक अवर में यात्रियों की भारी भीड़ का वजन न सह पाने के कारण ढह गया था। देश की व्यवस्था कुछ ऐसी

है कि दशहरे पर रेलवे लाइन के किनारे रावण दहन देखते हुए लोग दूसरी ओर से आती ट्रेन से कटकर मर जाते हैं या फिर स्मोग (भारी धुंध) के कारण ग्रांड ट्रंक रोड पर टकराते वाहनों में मारे जाते हैं। भोपाल के यूनियन कार्बाइड के कारखाने में गैस रिसाव से लेकर दिल्ली के उपहार सिनेमाघर में आग लगने की घटना को भला कौन भूल सकता है? सच तो यह है कि भारतीयों के जीवन में जितनी विविधता है, दुर्घटनाएं भी उतनी तरह की होती हैं। उनके मरने का अंदाज बहुत वैविध्यपूर्ण है। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार बेलगाम है तो मनोरंजन के लिये लगे झूले एकदम असुरक्षित, नावों में इतने लोग भर लिये जाते हैं कि वे बीच नदियों, जलाशयों में डूब जाती हैं। बच्चों को स्कूल ले जाती बसें या रिक्शे कभी सड़क पर पलट जाते हैं तो कभी आती ट्रेनों से पहले लेवल क्रॉसिंग पार करने के चक्कर में वे कई घरों के दीयों को बुझा देते हैं। न निजी जीवन में सुरक्षा है और न ही कार्य स्थलों पर। फैक्ट्रियों में कभी बॉयलर में विस्फोट हो जाता है तो कभी पिघली धातु श्रमिकों पर छिटक जाती है। कभी वे पावर प्लांट की गर्म राख में झुलस जाते हैं तो उन पर क्रेनें टूट जाती हैं। लोग मरते हैं, घायल होते हैं, स्थायी रूप से विकलांग होते हैं पर लोग इसी व्यवस्था में जीने के लिये अभिशप्त हैं। दुर्घटनाएं इसलिये भी नहीं रुकतीं क्योंकि उसके बाद दोषियों को बचाने की कवायदें शुरू हो जाती हैं। गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार दोषी, जो या तो रसूखदार होते हैं या फिर कानून इतने कमजोर हैं कि शाम होते न होते रात का खाना वे अपने घरवालों के साथ खा रहे होते हैं। न्याय पाने के लिये कानूनी जटिलताओं में भी उन्हें ही उलझना पड़ता है जो भुक्तभोगी होते हैं। पुलिस का काम पहले तो समझौता कराने का होता है और अगर ऐसा न हो सका तो मामले इतने कमजोर बनाकर कोर्ट तक पहुंचाये जाते हैं कि आरोपी छोटा–मोटा जुर्माना भरकर साफ बच निकलते हैं। नागरिक व सरकार दोनों ही असंवेदनशील हों तो जीवन सुरक्षित कैसे हो सकता है?

पुष्पा 2: दूसरे गाने की रिलीज़ से पहले, निर्माताओं ने अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना का नया पोस्टर शेयर किया

पुष्पा 2: द रूल 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। पैन–इंडिया फिल्म के निर्माताओं ने, इसके दूसरे गाने 'अंगारों' की रिलीज से पहले, प्रशंसकों को ट्रैक से अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना का पहला लुक जारी किया। माइथ्री मूवी मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, इंडिया का पसंदीदा जोड़ी #TheCoupleSong के साथ हम सभी को मंत्रमुग्ध करने आ रही है। इस गाने का अनावरण प्रोडक्शन हाउस द्वारा बुधवार सुबह 11:07 बजे किया जाएगा। पोस्टर में अल्लू और रश्मिका को मुस्कुराते हुए और अपने नए हुक स्टेप को दिखाते हुए दिखाया गया है। यह गाना हिंदी के अलावा कई क्षेत्रीय भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा। तेलुगु में इसे 'सूसेकी', तमिल में 'सूदाना', कन्नड़ में 'नोदोका', मलयालम में 'कंडालो' और बंगाली में 'आगुनेर' कहा जाता है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुष्पा 2 का पोस्ट–प्रोडक्शन का काम बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कथित तौर पर, एक नहीं बल्कि तीन इकाइयां पोस्ट–प्रोडक्शन में लगी हुई हैं। इस फिल्म में भरपूर वीएफएक्स है। इसलिए पोस्ट–प्रोडक्शन का काम बहुत सावधानी से किया जा रहा है। इससे पहले, फिल्म के निर्माताओं द्वारा अल्लू की विशेषता वाले टाइटैनिक ट्रैक का अनावरण किया गया था। साउथ स्टार के गाने के हुक स्टेप ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया और टॉप ट्रेंड में से एक बन गया। यहां तक कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर भी अल्लू अर्जुन की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक सके और उनसे हुक स्टेप सिखाने की गुजारिश की।

फिल्म के बारे में अधिक जानकारी

पुष्पा 2रू द रूल में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अपनी भूमिकाओं को दोहराते नजर आएंगे। फिल्म में इन दोनों के अलावा फहद फासिल, सुनील, राव रमेश, अनसूया भारद्वाज और जगदीश भी नजर आएंगे। पहले पार्ट की तरह ही इसके

> पोस्टर में अल्लू और रश्मिका को मुस्कुराते हुए और अपने नए हुक स्टेप को दिखाते हुए दिखाया गया है। यह गाना हिंदी के अलावा कई क्षेत्रीय भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा। तेलुगु में इसे 'सूसेकी', तमिल में 'सूदाना', कन्नड़ में 'नोदोका', मलयालम में 'कंडालो' और बंगाली में 'आगुनेर' कहा जाता है।

निर्देशन की जिम्मेदारी भी सुकुमार के पास है। श्रीकांत वीसा ने उनके साथ मिलकर फिल्म की कहानी लिखी है। दूसरी फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दिव्या खोसला इंदौर में सावी की पहली स्क्रीनिंग के दौरान भावुक हुई

अभिनेत्री–फिल्म निर्माता दिव्या खोसला मध्य प्रदेश के इंदौर में अपनी फिल्म सावी की पहली सार्वजनिक स्क्रीनिंग के दौरान भावुक हो गईं, जिसमें अनिल कपूर और हर्षवर्धन राणे भी थे। स्क्रीनिंग शुरू होने से पहले दिव्या ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि न तो उनके पिता और न ही उनके परिवार ने अभी तक फिल्म देखी है। अभिनेत्री ने कहा, "हमने अभी तक किसी को फिल्म नहीं दिखाई है। यहां तक कि मेरे अपने परिवार, मेरे पिताजी ने भी फिल्म नहीं देखी है। आप इसे देखने वाले पहले व्यक्ति हैं, हमने इसे सिर्फ अपने दफ्तर में देखा है। मैं बहुत भावुक हो रही हूं, मुझे ऐसा लग रहा है, जैसे मैं अपने परिवार के साथ बैठकर फिल्म देख रही हूं।" उन्होंने कहा, "आज रात यहां यह पहला शो आप सभी के साथ हो रहा है और यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यहां आने और आप सभी के साथ इसे देखने का मौका मिला। मुझे उम्मीद है कि आप सभी अपने परिवार और दोस्तों के साथ इसका आनंद लेंगे। सावी एक जेलब्रेक थ्रिलर है। यह 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अभिनय देव की फिल्म सावी का निर्माण विशेष फिल्म्स और टी–सीरीज के बैनर तले मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने किया है।

बीबी की वाइंस फेम भुवन बाम ने अपने किरदार टीटू मामा का करवाया ट्रेडमार्क

यूट्यूब की दुनिया के बेताज बादशाह भुवन बाम ने हाल ही में अपने किरदार टीटू मामा का ट्रेडमार्क करवा लिया है। उन्होंने कहा कि यह अभी भी सपना सा लगता है। उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि जो किरदार उन्होंने अपने लिविंग रूम से निभाया था, वह इतना बड़ा बन जाएगा और हर किसी के साथ इतनी मजबूती से जुड़ जाएगा। एक्टर ने शेयर किया कि जब उन्होंने शुरू में इस किरदार को निभाया तो सोचा नहीं था कि टीटू मामा दर्शकों के बीच इतने मशहूर हो जाएगा। भुवन ने कहा, टीटू मामा के अंदाज ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया है, और उनकी बढ़ती फैन फॉलोइंग को देखकर खुशी होती है। एक काल्पनिक किरदार को बनाना और उसे पब्लिक स्पेस पर इतने लंबे समय तक देखना वास्तव में अद्भुत है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि जिस काल्पनिक किरदार को मैं घर पर वीडियो बनाकर शूट कर रहा था, वह आज इतना लोकप्रिय हो जाएगा, इसलिए इसे ट्रेडमार्क करने का विचार आया। 2018 में, भुवन और उनकी टीम ने टीटू टॉक्स के जरिए टीटू मामा के किरदार को लोगों के बीच बढ़ाया। इस शो में शाहरुख खान, जॉनी सिन्स, राम चरण, जूनियर एनटीआर और एसएस राजमौली जैसे सितारे गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। टीटू टॉक्स को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। उन्होंने आगे कहा, इस क्रिएटिविटी को बनाए रखने के लिए, हमने टीटू मामा को इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी इंडिया के साथ रजिस्टर्ड करने का फैसला किया, जिससे हमारे रचनात्मक क्षेत्र में विशिष्ट व्यक्ति के रूप में इस किरदार की स्थिति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि जो किरदार मैंने अपने लिविंग रूम से निभाया, वह इतना लोकप्रिय हो जाएगा और सबका मनोरंजन करेगा। यह किरदार लोगों को काफी पसंद है। लोगों से मिल रहे रिस्पांस ने हमें हमेशा इसे नए और इनोवेटिव फॉर्मैट्स से पेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है। बता दें कि भुवन बाम ने यूट्यूब चौनल बीबी की वाइन्स से अपनी खास पहचान बनाई। बीबी की वाइन्स के हिट होने के बाद उन्होंने 2016 में अपना पहला म्यूजिक वीडियो तेरी मेरी कहानी रिलीज किया और फिर संग हूं तेरे, सफर, राहगुजर और अजनबी जैसे म्यूजिक वीडियो से लोगों के दिलों पर राज किया।

मौनी रॉय ने समुद्र तट छुट्टियों का आनंद लिया, तस्वीरें साझा कीं

अभिनेत्री मौनी रॉय जल्द ही आगामी फिल्म द वर्जिन ट्री में नजर आएंगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों के दौरान मौज–मस्ती की तस्वीरें साझा की हैं। अभिनेत्री ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक ही स्थान से दो पोस्ट साझा कीं। तस्वीरों में उन्हें बाली के समुद्र तट की सुंदरता का आनंद लेते देखा जा सकता है। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया, फ्लेमेंको स्केच ऑफ माइल्स डेविस काइंड ऑफ ब्लू। तस्वीर में वह अपना चेहरा छिपाती और कैमरे की ओर अपनी हथेली दिखाती हुई देखी जा सकती हैं। वह नीले रंग की बिकनी में हॉट लग रही हैं। बिकिनी के ऊपर उन्होंने हल्के नीले रंग की प्रिंटेड टी–शर्ट पहनी थी। अभिनेत्री की बीएफएफ दिशा पटानी ने उनके पोस्ट के टिप्पणी अनुभाग में लिखा, बहुत प्यारी। अन्य तस्वीरों में मौनी बैकलेस डिटेल के साथ एक शानदार लाल स्ट्रैपलेस ड्रेस पहने हुई हैं। उन्हें अपनी गर्ल गैंग के साथ शांत क्षणों का आनंद लेते हुए भी देखा गया। अभिनेत्री को हाल ही में स्ट्रीमिंग श्रृंखला शोटाइम में देखा गया था। इस श्रृंखला ने बॉलीवुड और प्रोडक्शन हाउस की दुनिया में गहराई से प्रवेश किया। इसने हिंदी फिल्म उद्योग के मंच के पीछे के क्षेत्रों में होने वाले सत्ता संघर्ष और ऑफ–कैमरा झगड़ों की खोज की।

'कैसे मुझे तुम मिल गए' में मेरे किरदार को दर्शक रखेंगे सालों तक याद : किशोरी शहाणे

टीवी एक्ट्रेस किशोरी शहाणे विज एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से 35 साल से जुड़ी हुई हैं। इन दिनों वह शो कैसे मुझे तुम मिल गए में नजर आ रही हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने बताया कि कैसे वह हर दिन अपना 100 प्रतिशत देती हैं, ताकि दर्शक उनके किरदार बबीता आहूजा को आने वाले कई सालों तक याद रखें। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए किशोरी ने कहा, जब मुझे पता चला कि बबीता का किरदार नेगेटिव है, तो इससे मुझे जरा भी हैरानी नहीं हुई। यह किरदार नेगेटिव होने के साथ–साथ मजबूत भी है, जो हमेशा विराट की सुरक्षा का ध्यान रखता है। किशोरी को इश्क में मरजावां और प्रधानमंत्री जैसे शो के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा, बबीता के नजरिए से देखें तो वह अपने बेटे की रक्षा कर रही हैं और उसमें कुछ भी गलत नहीं है। इस किरदार को निभाना चुनौतीपूर्ण है। वह कोई बुरी इंसान नहीं है, वह सिर्फ अपने परिवार की रक्षा करती हैं। ऐसे कई पल आते हैं जब अमृता के प्रति उसका स्वभाव बदल जाता है, जिससे मुझे अपने किरदार में अचानक बदलाव लाना होता है, मेरा मानना है कि दर्शक इस किरदार

> अपने किरदार के बारे में बात करते हुए किशोरी ने कहा, जब मुझे पता चला कि बबीता का किरदार नेगेटिव है, तो इससे मुझे जरा भी हैरानी नहीं हुई। यह किरदार नेगेटिव होने के साथ-साथ मजबूत भी है, जो हमेशा विराट की सुरक्षा का ध्यान रखता है।

को एन्जॉय करेंगे। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे किरदार का एक बड़ा मकसद है और एक एक्टर के लिए ऐसे किरदार को निभाना हमेशा दिलचस्प भरा होता है। हर दिन, मैं अपना 100 प्रतिशत देती हूं ताकि आने वाले कई सालों में मेरे किरदार बबीता आहूजा को याद किया जाए। शो में सृति झा अमृता की भूमिका में हैं और अर्जित तनेजा विराट का रोल निभा रहे हैं। शो में, अमृता और विराट की नकली शादी का सीक्वेंस चल रहा है। शादी की तैयारियों के बीच वे उस अपराधी को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं जिसने उनकी गलत तस्वीरें लीक की थीं। वहीं, विराट की मां बबीता खुद को पकड़े जाने से बचाने की पूरी कोशिश कर रही हैं। बबीता हमेशा विराट की रक्षा के लिए आगे रही हैं, लेकिन अमृता के प्रति उसकी नफरत...उसके बेटे के प्रति प्यार पर हावी हो गई है, जिसके चलते उसने यह बड़ा कदम उठाया। सीरियल में हर बार की तरह दो प्यार करने वाले शख्स एक दूजे पर भरोसा करने से बच रहे हैं। ऐसे में दर्शक मेकर्स से कुछ नया लाने की मांग कर रहे हैं। कैसे मुझे तुम मिल गए जी टीवी पर प्रसारित होता है।

कान फिल्म फेस्टिवल में पायल कपाड़िया की फिल्म ने रचा इतिहास, पीएम मोदी से मिली शाबाशी

फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया ने कान फिल्म फेस्टिवल–2024 में भारत का मान बढ़ाया है। उनकी फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट ने कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रांड प्रिक्स अवॉर्ड जीता। कान फिल्म फेस्टिवल में भारत का नाम रोशन करने वाली फिल्ममेकर पायल कपाड़िया को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए बधाई दी। पीएम मोदी ने रविवार को एक्स पर फिल्ममेकर की प्रशंसा करते हुए लिखा, पायल कपाड़िया को ऑल वी इमेजिन एज लाइट के लिए 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारत को गर्व है। उन्होंने आगे लिखा, वह एफटीआईआई की पूर्व छात्रा हैं, उनकी उल्लेखनीय प्रतिभा वैश्विक मंच पर चमक दिखाती है, जो भारत में समृद्ध रचनात्मकता की झलक दर्शाती है। यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल उनके असाधारण कौशल का सम्मान करता है, बल्कि भारतीय फिल्म निर्माताओं की नई पीढ़ी को भी प्रेरित करता है। बता दें कि कान फिल्म फेस्टिवल में पिछले 30 साल से कोई भी हिंदी जगत की फिल्म नॉमिनेट नहीं हुई थी। यह मौका भारतीय महिला निर्देशक पायल कपाड़िया को मिला। उनकी यह फिल्म इतने बड़े मंच पर पहुंची और दूसरा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार भी जीता। खास बात यह भी है कि इस फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट की कहानी खुद पायल कपाड़िया ने लिखी है। जिसे उन्होंने मलयालम और हिंदी भाषा में लिखी है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में कनी कुश्रुति, दिव्या प्रभा और छाया कदम हैं। 38 वर्षीय पायल कपाड़िया की मां नलिनी मालिनी भी एक आर्टिस्ट रही हैं। पायल कपाड़िया ने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से इकोनॉमिक्स में बैचलर डिग्री हासिल की है।

नॉर्मल या सिजेरियन डिलीवरी के कितने दिन बाद वर्कआउट करना है सही?

प्रेग्नेंसी का समय हर महिला के लिए खुशी का पल होता है। लेकिन इसके साथ ही उन्हें कई सारी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है जैसे मूड स्विंग्स और वजन का बढ़ना। वहीं डिलीवरी के तुरंत बाद महिलाएं बॉलीवुड दीवाज को देख– देखी जल्दी से फिट होना चाहती हैं, हालांकि डॉक्टर्स नॉर्मल या सिजेरियन डिलीवरी के बाद आराम करने की सलाह देते हैं। डिलीवरी के बाद जरूरत होती है हेल्दी डाइट और भरपूर आराम की, इससे वजन और भी बढ़ सकता है। ऐसे में महिलाएं सोचती हैं कि डिलीवरी के कितने दिन बाद वर्कआउट करना सही है। तो चलिए हम आपको बताते हैं एक्सपर्ट्स की राय....

डिलीवरी के बाद कब से कर सकते हैं वर्कआउट

एक्सपर्ट्स की मानें तो नॉर्मल या सिजेरियन डिलीवरी के बाद कम से कम 6 हफ्ते तक तो आराम ही करें। इस दौरान किसी भी तरह की एक्सरसाइज या फिजिकल एक्टिविटीज न करें। नॉर्मल या सिजेरियन डिलीवरी होने के बाद शरीर काफी कमजोर हो जाता है, जिसका असर पेट, पीठ और हिप्स में नजर आता है। ऐसे में कम से कम 40–45 दिन बाद शरीर धीरे– धीरे मजबूत हो पता है। इसके बाद ही किसी तरह की एक्सरसाइज शुरू करनी चाहिए। डिलीवरी के 2 हफ्ते के बाद हल्की कीगल्स एक्सरसाइज कर सकती है।

लाइट वर्कआउट है बेस्ट

एक्सपर्ट्स की मानें तो 2 हफ्ते के अंदर वॉर्किंग जैसी लाइट एक्सरसाइज शुरू कर सकती है। हालांकि एक्सरसाइज शुरू करने से पहले आपको किसी हेल्थ एक्सपर्ट से सलाह जरूर लेनी चाहिए। इसमें इस बात का भी ध्यान रखें कि अगर आप शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से हेल्दी हैं तो हल्के योगासन और प्राणायम भी कर सकती है। इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी भी पिएं। ये हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होगा।

गर्मियों में पाना चाहती हैं खिली–खिली त्वचा तो ऐसे करें स्किन केयर, चेहरे पर आएगा गजब का ग्लो

मई के महीने में गर्मी अपने चरम पर होती है। धूल भरी आंधी और तेज चिलचिलाती धूप से हर व्यक्ति परेशान रहता है। इस मौसम में हर किसी को अपनी सेहत का खास ख्याल रखना पड़ता है। गर्मियों में सेहत के साथ–साथ स्किन का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी होता है। स्किन केयर न करने पर कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। वैसे तो मौसम में हिसाब से मार्केट में कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट मिल जाते हैं, जो आपकी स्किन को राहत पहुंचाते हैं। हालांकि कई बार मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट स्किन को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में स्किन पर कुछ भी इस्तेमाल करने से पहले इसका पैच टेस्ट करना जरूरी होता है। बता दें कि गर्मियों में त्वचा का ध्यान रखने के दौरान लोग कई छोटी–छोटी ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिसके कारण उनके त्वचा की चमक खो जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गर्मी के मौसम में मौसम त्वचा का सही से ध्यान रखने के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपका फेस दमकता रहे।

फेस वॉश

आज के समय पॉल्यूशन काफी ज्यादा बढ़ गया है। ऐसे में सुबह के अलावा शाम को सोने से पहले फेस जरूर धो लें। इसके लिए आप अच्छे फेसवॉश का इस्तेमाल करना चाहिए। जिससे आपकी स्किन को किसी तरह की परेशानी न हो। अगर आप दिन में अधिक बार चेहरा धोते हैं, आपकी स्किन रूखी हो सकती है।

शीट मास्क

गर्मी के मौसम में स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए शीट मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। शीट मास्क काफी कम दाम में मिल जाता है। इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन ग्लो करने लगती है। लेकिन शीट मास्क खरीदने के दौरान अपनी स्किन टाइप का जरूर ध्यान रखना चाहिए, जिससे आपको कोई समस्या न हो।

टोनर

गर्मियों में हमारी त्वचा काफी डल हो जाता है। स्किन केयर के दौरान टोनर का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आपकी त्वचा फ्रेश और हेल्दी रहेगी। टोनर आपकी स्किन हाइड्रेट रखने में सहायक होता है। हालांकि टोनर खरीदने के दौरान इसकी क्वालिटी जरूर परख लेनी चाहिए। आप चाहें तो होममेड टोनर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

सीरम

अगर गंदे चेहरे पर सीरम का इस्तेमाल करती हैं, तो यह आपकी स्किन को डैमेज कर सकता है। ऐसे में सीरम का इस्तेमाल करने से पहले स्किन को अच्छे से साफ कर लें। तभी यह आपकी त्वचा को फायदा पहुंचाएगा।

स्टैमिना बूस्ट करने का काम करते हैं ये 7 अहार, आज ही करें इन्हें डाइट में शामिल

नारी डेस्करू हमारा आज कल का रेहन–सहन ऐसा हो गया है की शरीर को थोड़ी सी मेहनत करनी नहीं पड़ती की हमें थकान हो जाती है। बच्चों से लेकर बड़ों तक का यही हाल हो चुका है। ऐसे में इसकी एक वजह यह है की हमारा खान–पान दिन पर दिन खराब होता जा रहा है। इस वजह से शरीर के लिए उसकी दैनिक जरूरतों और काम की अधिकता के हिसाब से कैलोरी और न्यूट्रिशन्स नहीं मिल पाते हैं। इसलिए हमें अपनी डाइट में कुछ ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए जिससे हम हेल्दी भी रहें और हमारा स्टैमिना भी बढ़े, इनसे हमें जल्दी थकावट भी नहीं होगी। तो चलिए अब जानते हैं कौन सी हैं वह चीजें।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का सेवन हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसमें बहुत से पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। चुकंदर का जूस आपकी मांसपेशियों को मजबूत तो करेगा ही और स्टैमिना भी बढ़ाएगा। इसका जूस उन सभी लोगो के लिये आवश्यक है तो हार्ड वर्क करते हैं।

रंग बिरंगी सब्जियां

सब्जियां हमारी अछि सेहत के लिए जरुरी होती हैं। शरीर में नाइट्रेट का स्तर बढ़ाने वाले पदर्थों का सेवन करें। इसके लिए रंग बिरंगी सब्जियों के जूस का सेवन करें।

अंगूर, अमरूद और संतरे

विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करें जैसे अंगूर, अमरुद और संतरा आदि। विटामिन सी से शरीर का अधिक देर तक काम करने पर भी थकान का अनुभव नहीं होता। इससे आपका स्टेमिना बढ़ने में मदद मिलती है।

गेंहू की रोटी और इससे बनी अन्य चीजें

अनाज खाने से भी स्टैमिना बढ़ता है इसलिए गेंहू की रोटी और इससे बनी अन्य चीजों का सेवन अवश्य करें। इससे आप आसानी से काम भी कर पाएंगे और थकावट भी नहीं होगी।

मूंग की दाल

मूंग की दाल को अंकुरित करके खाने या उबालकर खाने से भी स्टैमिना बढ़ जाता है। इसलिए रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

दूध और दूध से बने पदार्थ

विटामिन बी से बनी चीजे अर्थात दूध और दूध से बने पदार्थ, चीज आदि भी धीरे धीरे आपका स्टैमिना बढ़ाते है। ऐसे में फिर चाहे आपको इन चीजों का सेवन पसंद न भी हो तो भी आपको जरूर कहानी चाहिएं।

ओट मील का सेवन

इन सबके आलावा आप ओट मील का सेवन भी कर सकते हैं। इसका सेवन भी हमारे शरीर में स्टेमिना बढ़ा कर हमें स्ट्रांग बनाने का काम करता है। इसे भी आप अपनी डाइट में जरूर शामिल कर सकते हैं।

छुट्टियों में मोरिजम बीच के नजदीक इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर , मिलेगा शांत वातावरण

अगर कहीं भी घूमने की बात आती है तो उसमें गोवा का नाम जरुर लिया जाता है। गोवा में नाइटलाइफ, पार्टी और कार्निवल के लिए काफी फेमस है। यहां पर प्राकृतिक रुप से सुंदरता, खूबसूरत समुद्र तटों और टेस्टी फूड के लिए जाना जाता है। यहां पर कई बीचेस हैं जो आपको रिलैक्सिंग फील करवाते हैं। इन्हीं बीचेस में से एक है मोरजिम बीच। यहां तुलनात्मक रुप से कम भीड़ होती है, इसलिए यहां पर वक्त बिताना एक अच्छा विचार हो सकता है। यहां पर कई खूबसूरत जगहें जिन्हें आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। चलिए आपको इन जगहों के बारे में बताते हैं।

चपोरा फोर्ट

चपोरा फोर्ट मोरजिम से लगभग 10 किमी दूरी पर स्थित है। यह ऐतिहासिक किला अरब सागर और चपोरा नदी के आश्चर्यजनक मनोरम दृश्य को प्रस्तुत करता है। इस प्राचीन लेटराइट किले का एक लंबा और विविध इतिहास है। अगर आप इतिहास में रुचि है तो आपको मोरजिम बीच के करीब इस किला को जरुर देखने जाएं।

अंजुना बीच

मोरजिम बीच से करीबन 12 किमी की दूरी पर अंजुना बीच है। यह बीच गोवा की सबसे फेमस है और यह बोहेमियन वाइब के लिए जाना जाता है। बता दें, बुधवार के दिन यहां पर लगने वाली मार्केट से आप काफी कुछ खरीद सकते हैं। अंजुना बीच पर प्रसिद्ध झोपड़ियां और क्लब हैं, जो रात भर फुल–ब्लास्ट मोड में डांस करने के लिए इसे बेहतरीन प्लेस बनाते हैं। यहां पर आप सनराइज और सनसेट के दौरान कई खूबसूरत तस्वीरों को क्लिक कर सकते हैं।

अरामबोल बीच

मोरजिम के उत्तर में अरामबोल बीच पर मस्त शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर एक मीठे पानी की झील, एक आकर्षक बाजार और योग और ताई ची जैसी कई एक्टिविटीज है, जिन्हें आप यहां कर सकते हैं।

मोरजई मंदिर

अगर आप गोवा में घूमते हुए एक अलग कल्चर का अनुभाव करना चाहते हैं तो ऐसे में आप मोरजिम बीच के पास मोरजई मंदिर जा सकते हैं। मोरजिम में स्थित यह मंदिर देवी मोरजई को समर्पित है। इस मंदिर का आर्किटेक्चर बहुत ही सुंदर है। मंदिर में शांत वातावरण आपको सुखद अहसास करवाता है।

घर पर अलग स्टाइल से बनाएं पनीर अफगानी, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाट जाएंगे लोग

घर पर पार्टी हो या लंच में कुछ स्पेशल बनाने की चाहत, पनीर सभी के फूड मेन्यू का हिस्सा जरूर होता है। लोग पनीर से कई तरह की रेसिपी बनाकर तैयार करते हैं। बड़ों से लेकर बच्चे तक के मुंह में कढ़ाई पनीर, शाही पनीर, पनीर बटर मसाला और पनीर टिक्का आदि का नाम सुनकर ही पानी आ जाती है। ऐसे में अगर आप भी अपने लंच को स्पेशल बनाकर सबकी तारीफ बटोरना चाहती हैं, तो आप पनीर अफगानी बना सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ पनीर अफगानी की आसान सी रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। यह रेसिपी सिर्फ खाने में ही टेस्टी नहीं बल्कि बनाने में भी काफी आसान है।

पनीर अफगानी सामग्री

पनीर– 200 ग्राम

नमक– स्वादानुसार

काली मिर्च पाउडर– 1 चम्मच

अदरक–लहसुन का पेस्ट– 1 छोटा चम्मच

धनिया पत्ती– 1 चम्मच

प्याज– 2

अदरक– 1 इंच का टुकड़ा

लहसुन– 5–6

दही– 1 बड़ा चम्मच

हरी मिर्च– 2–3

कसूरी मेथी– 1 चम्मच

तेल

पनीर अफगानी की रेसिपी

पनीर अफगानी बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में पनीर के टुकड़े ले लें। अब इसमें नमक, अदरक–लहसुन का पेस्ट, काली मिर्च पाउडर, हरा धनिया और तेल डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। मिक्स करने के बाद इसे 5 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर एक पैन में तेल गर्म कर पनीर के टुकड़ों को सुनहरा होने तक तलें। अब दूसरे पैन में तेल डालकर उसमें अदरक, प्याज, लहसुन, हरी मिर्च और हरा धनिया डालकर 5 मिनट तक भूनें। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तब इसमें दही मिलाकर बारीक पीस लें। इसके बाद इस पेस्ट में नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और गरम मसाला अच्छे से मिक्स कर दें। फिर पैन में तेल गर्म कर उसमें दालचीनी, तेजपत्ता और इलायची डालकर तैयार किया गया पेस्ट डालें। अब इसे 4–5 मिनट तक चलाते हुए पकाएं और ढक दें। जब तेल मसाले से अलग होने लगे, तो तले हुए पनीर के टुकड़ों को पैन में डालकर अच्छे से चलाएं और फिर इसे ढककर 5–6 मिनट तक पकने दें। लास्ट में इसको गार्निश करने के लिए ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया डालें। इस सिंपल तरीके से पनीर अफगानी बनकर तैयार हो जाएगा।

मास्टर चौनल के जरिए प्रशिक्षित किए गये मतगणना कार्मिक

प्रतापगढ़। लोकसभा चुनाव की मतगणना चार जून को महुली मण्डी में की जाएगी। वोटों की गिनती के लिए लगाए गये कार्मिकों को विकास भवन सभागार में मंगलवार को मास्टर चौनल के जरिए प्रशिक्षित किया गया। इसके अलावा पावर पॉइंट प्रजेंटेशन से भी मतगणना मास्टर ट्रेनर्स ने भी कार्मिकों को वोटों की गिनती करने के तरीके को विस्तारपूर्वक बताया। सीडीओ ने मौजूद कार्मिकों से वोटों की गिनती करने के तौर तरीकों को ठीक से समझने को कहा। मास्टर ट्रेनर धर्मेन्द्र ओझा, डा0 विन्ध्याचल सिंह, डा0 अनीस ने कार्मिकों को वोटों की गिनती करने की बारीकियां समझाई। इस दौरान डीडीओ राकेश प्रसाद, डीआईओएस सरदार सिंह, बीएसए भूपेन्द्र सिंह, प्राचार्य मंजू वर्मा, नसीमुद्दीन व ट्रेनर अशोक शुक्ल समेत सभी पॉचों तहसीलों के एसडीएम मौजूद रहे।

अधिवक्ता परिषद के मनोज सिंह अध्यक्ष व शिवेश शुक्ल बने महामंत्री

हाईकोर्ट की सीनियर अधिवक्ता मीनाक्षी सिंह परिहार की देखरख में परिषद की नई कार्यकारिणी का गठन

प्रतापगढ़। अधिवक्ता परिषद अवध प्रतापगढ़ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। जिसमें परिषद के जिला महामंत्री रहे मनोज सिंह को अध्यक्ष व मीडिया प्रभारी रहे शिवेश शुक्ल का जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी के गठन व परिषद के कार्यों को विस्तार देने के लिए हाईकोर्ट की सीनियर अधिवक्ता व परिषद की प्रदेश महामंत्री मीनाक्षी सिंह परिहार की अगुवाई में सोमवार को सुलतानपुर जिले में एक होटल में बैठक हुई। श्रीमती परिहार ने परिषद के कार्यों व उद्देश्य के बारे में विस्तार से चर्चा किया और नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी। नई कार्यकारिणी में किरण बाला सिंह, आशीष मौर्य, रवि सिंह को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। विनीत शुक्ल, कुलवंत शर्मा, रूप नारायण सरोज को मंत्री व भरत लाल वैश्य को कोषाध्यक्ष बनाया गया। आशीष गुप्ता, मृदुल, शिव शंकर, राजाराम सरोज, रजनीकांत मिश्र, जया शर्मा, गौरिका को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। इसके अलावा राहुल सिंह, शिव कुमार पुष्पजीवी को सदर, जेपी सिंह, व रवि श्रीवास्तव को कुण्डा, अमरीश तिवारी, राकेश चौरसिया को पट्टी, विभूति शुक्ल, संतोष दूबे को लालगंज, अजय ओझा, आरजू गुप्ता को रानीगंज का संयोजक मनोनीत किया गया। इस मौके प्रांतीय कोषाध्यक्ष पीसी राय, पूर्व अध्यक्ष महेश गुप्ता, सुलतानपुर इकाई समेत दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे।

यह प्रेम ....

वास्तव में...
बहुत सरल किसी के प्रेम में
होना ...!!!
पर बड़ा कठिन निष्छल प्रेम
निभाना...!!

स्वयं को किसी और
में रखकर जीना ..
सरल भी तो नहीं.....है उतना।!

प्रेम कर लेने जैसे ही
दुष्कर.... अगम्य!!

अपने प्रेम में
राघव ने सीता को जीया ..
सागर में पाषाण से
असंभव सेतु निर्माण किया....

राधा अपने नैनों में
कृष्ण की विरह का
लगाती रही काजल सदा...

सजल आंखों से
कृष्ण को मुस्काते देख
मुस्काती रही वह भी सदा....

प्रेम में होना
सहज भी तो नहीं इतना...

हजारों सुगंधों से
हो सुवासित....
प्रेम को जीवंत
स्वयं में पाना....

देने की लालसा में
कल्लोल करते
वृष्टि की बूंदों सी
जलतरंग सम बजना!!

साक्षात नटराज को
स्वयं में विशुद्ध प्रेम से
नर्तन करते देखना....

हर पल स्वयं को
प्रेम के लिए मना लेना....
किसी के अस्तित्व में अपने
अस्तित्व को पा लेना.....

सहज नहीं सहज जितना
प्रेम में निश्चल होकर जीना ..
.!!

हृदय से सहस्त्रधार
जब प्रेम फूटता...

सभी ओर बहता
कभी ना सूखता
तभी तो कहलाता
प्रेम एक अमृत झरना.....!!

डॉ सीमा भट्टाचार्या
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

मुकदमा न उठाया तो जान से हॉथ धो लोगे, आरोपियों की अभी तक नहीं हुई गिरफ्तारी

प्रतापगढ़। जानलेवा हमले के आरोपी मुकदमा न उठाने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आरोपियों पर कंधई थाने में जानलेवा हमले समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। कंधई पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है, जो खुलेआम धमकी दे रहे हैं। नगर कोतवाली के स्कूल वार्ड निवासी रवि प्रकाश पुत्र राम सागर को आरोपियों ने बीते माह 21 अप्रैल को मदाफरपुर जाते समय जफरपुर मोड़ के पास गोली मार दी थी। जिसमें वह बच गया। पीड़ित ने कंधई थाने में आरोपियों मो0 शोएब पुत्र मुस्ताक निवासी मधुपुर, शकील अंसारी पुत्र अब्दुल मजीद निवासी सदर बाजार व दो अन्य के खिलाफ तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित रवि प्रकाश ने आरोप लगाते हुए कहा कि थाने के जॉच अधिकारी मिथिलेश चौरसिया व एसओ प्रदीप कुमार आरोपियों से मिले हैं। विवेचक मुकदमा उठाने की बात कह रहा है। एसओ भी धारा 307 हटाने की बात कर रहे हैं। आरोप है कि पुलिस की सह पर आरोपी धमकी दे रहे हैं कि मुकदमा उठा लो वरना जान से हॉथ धो लोगे। पीड़ित ने बताया कि एक आरोपी को एसटीएफ ने भी किसी मुकदमें उठाया था। पीड़ित रवि प्रकाश डरा सहमा पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगा रहा है।

डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक 9 जून को.

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए),प्रयागराज के साधारण सभा 2023–24 की वार्षिक बैठक आगामी 9 जून 2024,दिन रविवार को प्रातः 10 बजे स्थानीय मेजारोड स्थित गर्ग गेस्ट हाउस खानपुर,सोरांव,मेजारोड में

संपन्न होगी। उक्त आशय की जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर. पी.शुक्ला ने सभी संबद्ध इकाईयों, प्रबंध समिति, उपकार्यकारी समिति तथा सभी आजीवन सदस्यों से अपील की है कि वे उपरोक्त निर्धारित समय से पहुँचकर उपस्थिति दर्ज करायें।।

हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो को पूर्वोत्तर हिंदी मित्र सम्मान से पुरस्कृत किया गया

विश्वनाथ ,असम स पूर्वोत्तर भारत में हिंदी साहित्य व भाषा के साथ पूर्वोत्तर के कला – संस्कृति तथा विरासत को आगे लेने में जुटी पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के नौवें स्थापना दिवस समारोह में रविवार को तेजपुर के ऐतिहासिक स्थल असमीया क्लब के सभागार में विश्वनाथ के हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो को ष्पूर्वोत्तर हिंदी मित्र सम्मानष् से सम्मानित किया गया। इस सारस्वत सम्मान में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश , कानपुर के वरिष्ठ लेखिका व साहित्यकार डॉ० अन्नपूर्णा वाजपेयी मौजूद थी। हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो को पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के सचिव कल्पना देवी आत्रेय ने असमीया फुलाम गामोछा से सम्मानित किया, इसके बाद तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना, कोषाध्यक्ष डॉ० शंकर चक्रवर्ती ने क्रमशः प्रशस्ति पत्र तथा स्मारक चिह्न प्रतीक से यह सम्मान प्रदान किया। संतोष कुमार महतो, विश्वनाथ चारिआलि एक उर्जावान युवा हिंदी सेवी हैं। विभिन्न संघ–संस्थाओं से उनका जुड़ाव है।वे हिंदी भाषा साहित्य संबंधी विभिन्न प्रकल्प चलाकर हिंदी भाषा–साहित्य के प्रचार प्रसार में संलग्न हैं। हाल ही में उनकी दो काव्य पुस्तक ष्शब्द संजीवनीष और साझा काव्य संकलन ष्ईशान– प्रभाश में 10 कविताएँ प्रकाशित हुई हैं। वर्तमान विश्वनाथ जिले प्रतापगढ़ में स्थित प्रतापगढ़ चाय बागान आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक (हिंदी) संतोष कुमार महतो जी राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रचारक के रूप भी सेवा दे रहे हैं।

46 डिग्री टेम्परेचर में भी नहीं बदले इरादे, राजाभैया के पिता उदय सिंह रेल यात्रियों की कर रहे देखभाल

कुण्डा हरनामगंज स्टेशन पर कई वर्षो से करा रहे जलपान

प्रतापगढ़। राजनीति से दूर राजाभैया के पिता महाराज उदय सिंह मानवता के प्रतिमूर्ति हैं। गरीबों व पेरशान सुदा लोगों की सेवा उनकी शौक है। तभी तो आसमान से बरस रही आग ने 92 साल की अवस्था में उनके हौसले को डिगा नहीं पा रही है। पिछले कई वर्षों से हर मौसम में राजा उदय सिंह दोपहर बाद कुण्डा हरनामगंज रेलवे स्टेशन पर अपने समर्थकों के साथ पहुंच जाते हैं। वहॉ वह एक साधारण सी कुर्सी लगाकर स्टेशन पर बैठ जाते हैं। पहले से तैयार कराए जलपान यात्रियों को कराते हैं। स्टेशन पर गाड़ी रूकते ही दर्जनों की संख्या में उनके समर्थक गुल्लइया, लाई, चना, पोहा, तिल्ली गुड़ आदि लेकर यात्रियों को देते हैं। साथ ही पानी की बोतलें भी यात्रियों को मुहैया कराते हैं। राजा उदय सिंह स्वं बैठकर समर्थकों व सेवकों को मानीटरिंग करते रहते हैं। यह सिलसिला उनका देर शाम तक चलता रहता है। खास बात है कि आसमान से बरस रही आग में उनका यह क्रम जारी है। जहॉ 46 डिग्री टेम्परेचर में लोग घरों में दुबके हैं। वहीं वह रेल यात्रियों की सेवा में लगे हैं। रेल यात्रियों को भी पता रहता है कि कुण्डा रेलवे स्टेशन पर बडेघ महाराज द्वारा गाड़ी रूकते ही जलपान कराया जाएगा। गाड़ी के कुण्डा पहुंचने का यात्रियों को भी इंतिजार रहता है। बताया जाता है कि अमूमन वह राजनीति व लोगों से मेल मुलाकात से दूर रहते हैं। जिले के लोग उन्हें बड़ी सम्मान के नजरों से देखते हैं। राजा उदय सिंह के बारे में बताया जाता है कि वह अपने इरादों के पक्के हैं। एक बार जो निर्णय ले लेते हैं उस पर वह अमल भी करते हैं। राजा उदय सिंह के इस नेक कामों की इलाके में चर्चा बनी रहती है।

लापरवाही बरतने पर जान लेवा साबित हो सकता है हीट

तेज धूप में अधिक समय तक बाहर न निकले

अस्पताल में बढ़ी मरीजों की भीड़

प्रतापगढ़। बिजली से चलने वाला फ्रिज अगर पानी ठंडा नहीं कर रहा है तो समझ लो उसमें खराबी है। उसे मैकेनिक की जरूरत है। ठीक उसी तरह आपका शरीर भी फ्रिज की ही माफिक है। अगर आपका शरीर खुद को ठंडा नहीं कर पा रहा तो समझ जाइए आप हीट स्ट्रोक की चपेट में आ रहे हैं। डाक्टर को दिखाना चाहिए। इन दिनों राजा प्रताप बहादुर अस्पताल में हीट स्ट्रोक के मरीज अधिक आ रहे हैं। ओपीडी में भीड़ बढ़ती जा रही है।

डाक्टर बताते हैं कि हीट स्ट्रोक यानी तापघात। यह तब होता है जब इंसान का बदन गर्म ही रहता है। हाइपोथैलेयस शरीर के मुख्य तापमान को निर्धारित करता है। आमतौर पर शरीर का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस होता है।

जान लेवा साबित हो सकता है–

हीट स्ट्रोक एक जानलेवा स्थिति है। यह तब होती है। जब शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर हो जाता है।

दो प्रकार का होता है–

1.शारीरिक परिश्रम में होने वाला हीट स्ट्रोक। यह आमतौर पर गर्म, आद्र कंडीशन में शारीरिक परिश्रम की वजह से होता है। जो कुछ घंटों में विकसित हो जाता है। 2. नॉन एक्सट्रेसनल। यह उम्र या अंतनिर्हित स्वास्थ्य स्थितियों के कारण होता है। यह कई दिनों में होता है।

लक्षण–

इस बारे में मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ फिजिशियन डाक्टर मनोज खत्री बताते हैं कि भ्रम, दौरे, चक्कर, सिर दर्द,थकान और मांस पेशियों में ऐठन हीट स्ट्रोक के प्रमुख लक्षण हैं। इसमें मरीज कोमा में जा सकता है। उसकी मौत भी हो सकती है।

इनको है खतरा–

शिशु, बुजुर्ग, एथलीट, अधिक समय तक धूप में शारीरिक परिश्रम करने वाले को स्ट्रोक का अधिक खतरा रहता है।

बचाव–

पीड़ित को छायादार स्थान पर ले जाएं। कपड़े उतार कर स्किन पर ठंडे पानी का छिड़काव करें। ठंडा पेय पदार्थ दें। जिसमें एल्कोहल और कैफिन न मिला हो।

क्या कहते हैं डाक्टर–

इस संबध में राजा प्रताप बहादुर अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डाक्टर मनोज खत्री का कहना है कि इस समय सबसे अधिक हीट स्ट्रोक है। इससे बचना चाहिए। शरीर में पानी की कमी न होने पाएं। स्ट्रोक की चपेट में आने पर फौरन सरकारी अस्पताल में दिखाए।

नर्सिंग होम, रेस्टोरेंट फायर व भवनों का हुआ फायर आडिट

मॉक ड्रिल करके लोगों को किया गया जागरूक

गुजरात अग्नि दुर्घटना के मद्देनजर की गई चेकिंग

प्रतापगढ़। गुजराज में टी0 आर0 पी0 गेमिंग जोन सेन्टर में घटित भीषण अग्नि दुर्घटना में बच्चों समेत 25 लोगों की दुखद मृत्यु होने एवं बेबी केयर सेन्टर दिल्ली में घटित अग्नि दुर्घटना में 06 बच्चों की दर्दनाक मृत्यु हो गयी थी। इसे देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर एसपी के निर्देश पर फायर ब्रिगेड विभाग ने अभियान चलाकर अंसारी नर्सिंग होम, तान्या हॉस्पिटल, कुसुम हॉस्पिटल, आशीर्वाद नर्सिंग होम, अपोलो हॉस्पिटल का फायर ऑडिट मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजू एवं लीडिंग फायरमैन, राधेश्याम दूबे द्वारा किया गया। फायर मॉक ड्रिल कराकर डॉक्टर, स्टाफ नर्स और नागरिकों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान अग्निदुर्घटना ग्रस्त भवन के ऊपरी मंजिल में फंसे व्यक्तियों को सकुशल बाहर निकलने का अभ्यास कराया गया। एलपीजी सिलेण्डर में आग लगाकर फायर एक्सटिंग्यूशर तथा अन्य प्रायोगिक विधियों से आग बुझाने का प्रदर्शन किया गया। गर्मी में लगने वाली आग के कारणों और उससे बचाव की जानकारी दी गयी। इलेक्ट्रिक सेफ्टी के दृष्टिगत विद्युत उपकरणों, तारों का इलेक्ट्रिकल ऑडिट कराकर विद्युत लोड के अनुसार उपकरणों, तारों को अधिष्ठापित कराकर विद्युत विभाग से विद्युत सुरक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने हेतु संचालक और प्रबन्धक को निर्देशित किया गया।

गाजीपुर: बनारस के बाद दूसरी हॉट सीट

बहुत कड़ी है एनडीए बनाम इंडिया की जंग

लखनऊ, एजेंसी। पूर्वांचल में इस समय सियासी माहौल बहुत गर्म है। वाराणसी के बाद कोई हॉट सीट है तो वो गाजीपुर है। गाजीपुर पर सबकी निगाहें लगी हुई हैं। यहाँ एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन की चुनावी लड़ाई बहुत कड़ी है। पहली जून को वोटिंग है। गाजीपुर पूर्वांचल की वो हाईप्रोफाइल सीट है जहां धर्म और जाति के समीकरण की चुनावी लड़ाई है। दिग्गजों ने हुंकार भरी है।एक तरफ सांसद अफजाल अंसारी हैं तो दूसरी तरफ पीएम नरेंद्र मोदी के सिपाही के पारसनाथ राय।अफजाल अंसारी के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव चुनाव प्रचार करने गाजीपुर पहुंचे और दावा कर दिया कि पूर्वांचल की हवा बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल ने जो छठवें चरण में उम्मीद दी है, मैं कह सकता हूं ये जो भाषण बदल रहे हैं, व्यवहार बदल रहे हैं जनता वोट देकर इन्हें 7 समंदर पार फेंक देगी।अखिलेश ने सोमवार को रैली की तो बीते रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गाजीपुर पहुंचे थे। पारसनाथ राय के लिए वोट मांगे और पूरे पूर्वांचल को संदेश दिया था। गाजीपुर वो लोकसभा सीट है जिसे बीजेपी ने 2014 की मोदी लहर में जीत ली थी लेकिन 2019 में सपा–बसपा साथ आए तो खेल पलट गया। 2019 में बीजेपी प्रत्याशी मनोज सिन्हा को 4 लाख 46 हजार वोट मिले जबकि सपा–बसपा के संयुक्त प्रत्याशी अफजाल अंसारी को 5 लाख 66 हजार वोट मिले। अफजाल 1 लाख 20 हजार के भारी भरकम वोटों के अंतर से चुनाव जीत गए थे। अब चुनावी समीकरण बदले हुए हैं। समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस का गठबंधन है और बसपा अलग चुनाव लड़ रही है। क्या नया समीकरण परिणाम बदल देगा ? क्या बीजेपी 2014 वाला इतिहास दोहरा देगी? बीजेपी प्रत्याशी पारसनाथ राय का दावा है कि बीजेपी गाजीपुर सीट पर फिर से जीत हासिल करेगी। बीजेपी प्रत्याशी का दावा एक तरफ और गाजीपुर के सियासी समीकरण दूसरी तरफ। अफजाल अंसारी को अपनी जीत का भरोसा है तो इसके पीछे गाजीपुर का जातीय और धार्मिक समीकरण है।गाजीपुर में अंसारी परिवार की सियासत अगर परवान चढ़ी तो इसके पीछे यहां का जातीय और धार्मिक समीकरण है। यहां मुस्लिम आबादी 2.70 लाख तो दलित मतदाता 4 लाख के आस–पास है।यादव वोटर 4.50 लाख के करीब है जो बाकी के ओबीसी वोटर 4 लाख के करीब हैं।इसी समीकरण के सहारे 2004 में अफजाल अंसारी समाजवादी पार्टी के टिकट पर गाजीपुर से चुनाव जीते थे और फिर दावेदार हैं। अफजाल का कहना है कि जनता फिर उन्हें अपना जनप्रतिनिधि चुनेगी और भारतीय जनता पार्टी को हार का सामना करना पड़ेगा। अफजाल अंसारी 5 बार विधायक रहे और 2 बार के सांसद हैं। तीसरी बार दिल्ली जाने को बेताब हैं। भाजपाई बैरियर चुनौती है। बीजेपी और उसके सहयोगी दल गाजीपुर में कमल खिलाने की कोशिश में हैं।गाजीपुर वो लोकसभा सीट है जहां जनता का मिजाज बदलता रहा है। इस सीट पर कभी ऐसा नहीं हुआ कि कोई सांसद लगातार दो बार चुनाव जीता हो। अफजाल अंसारी चुनाव जीतते हैं तो ये गाजीपुर के लिए नया रिकॉर्ड होगा और फैसला गाजीपुर की जनता के हाथ जो पहली जून को सुनायेगी। लड़ाई कांटे की है।

संक्षिप्त

त्रिपुरारी धाम का किया उद्घाटन, परसुराम की लगेगी मूर्ति

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली के कटरा रोड स्थित फुलवारी गांव में त्रिपुरारी धाम की स्थापना की गई है। राष्ट्रीय परसुराम सेना के अध्यक्ष प्रदीप शुक्ल ने फीता काटकर मंगलवार को उद्घाटन किया। त्रिपुरारी धाम में भगवान परसुराम की मूर्ति लगाई जाएगी। धाम के लिए त्रिपुरारी पाण्डेय व विभूति पांडे ने अपनी जमीन दान की है। इस अवसर पर अभिषेक दूबे, सचिन पांडे, हर्ष दूबे, मुन्ना मिश्र, सुधांशु शुक्ल, तरूण शर्मा, महेन्द्र शुक्ल, अनुपम मिश्र, राधेश्याम पांडे, अनिल पांडे समेत परसुराम सेना से जुडेघ दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रात में बकरी चोरी करते पकड़ा गया युवक, उलाहना पर मारपीट, छेंड़खानी की दी तहरीर

प्रतापगढ़। चोरी और सीना जोरी की कहावत बीती रात संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के मखदूमपुर पुरैली गांव में चरितार्थ हुई। आधी रात को सुनील, सुधीर व रज्जन पुत्र श्यामलाल पड़ोसी प्रेमा देवी की बकरी चुराने लगा तो बकरियां आवाज करने लगी। प्रेमा के परिजनों ने गुहार लगाया तो चोर भाग निकले। उलाहना देने पर आरोपियों ने पीटकर घायल कर दिया। संग्रामगढ़ थाने में चॉदनी पुत्री राजाराम की तरफ से आरोपी सुनील, सुधीर व रज्जन के खिलाफ छेड़खानी की तहरीर दी गई है। जिसमें आरोप है कि बकरी चराने जाने के दौरान अक्सर रास्ते में सुधीर छेड़खानी करते हैं। सोमवार की आधी रात बदनीयती से मेरे घर में घुस कर कपड़ा फाड़ दिया। शोर सराबा होने पर मारपीट के साथ जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस मामले की जॉच कर रही है।

तापमन बढ़ने पर ट्रांसफारमर से उठने लगीं लपटें

प्रतापगढ़। तापमान बढ़ने से बिजली की खपत बढ़ गयी है। ऐसे में बिजली का लोड भी बढ़ गया है। अधिक गर्मी पड़ने से ट्रांसफारमर भी गरम हो रहे हैं। जिससे ट्रांसफारमर कई जगह जल रहे हैं। मंगलवार को शहर के सदर बाजार में लगा ट्रांसफारमर दोपहर में धूं–धूंकर जलने लगा। जेई ने बताया कि गर्मी की वजह से बिजली की मांग बढ़ गई है। ऊपर से बरस रही आग से ट्रांसफारमर अधिक गरम पड़ जा रहे हैं। जिसकी वजह से ट्रांसफारमर के जलने की शिकायतें आ रही हैं।

नकाबपोश बदमाशों ने तमंचे के बल पर युवक से की आठ हजार की छिनैती

प्रतापगढ़। नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने रिश्तेदारी आ रहे पीड़ित पर तमंचा सटाकर आठ हजार नकदी की छिनैती कर ली। पीडित ने घटना के बाबत मंगलवार को पुलिस को तहरीर दी है। पडोसी जिले अमेठी के गौरीगंज थाना के हुण्डलियन का पुरवा सराय भागमानी निवासी चंद्रमोहन तिवारी के पुत्र अमरनाथ तिवारी ने पुलिस को तहरीर दी है। जिसमें कहा है कि सत्ताईस मई को रात्रि लगभग पौने नौ बजे वह अपने घर से बाइक द्वारा सांगीपुर होते हुए लालगंज रिश्तेदारी आ रहा था। रास्ते में लालगंज कोतवाली के गोसांई का पुरवा पेट्रोल पम्प के समीप लालगंज की तरफ से दो अपाचे बाइक पर सवार आधा दर्जन बदमाश उसकी बाइक रूकवा लिया। बदमाशो ने पीडित पर तमंचा सटाकर मारपीट शुरू कर दी। इस बीच बदमाशों ने उसका पर्स छीन लिया। पर्स मे आठ हजार नकदी व जरूरी कागजात बदमाश छीन ले गये। पीड़ित ने शोर मचाना चाहा तो बदमाशों ने गाली देते हुए जानलेवा धमकी दी। घटना के बाबत प्रभारी निरीक्षक अवन दीक्षित का कहना है कि तहरीर मिली है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी

किशोरी के अपहरण का आरोपी के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

प्रतापगढ़। किशोरी के अपहरण को लेकर लालगंज पुलिस ने सोमवार की रात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के गंगाबक्श का पुरवा जेवई निवासी इरफान की पत्नी रोजाना निशा ने पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में कहा है कि बीती इक्कीस मई को रात आठ बजे लीलापुर थाने के आरोपी अमरनाथ ने शादी का झांसा देकर उसकी सोलह वर्षीया पुत्री को अपहृत कर लिया। पीडिता के परिजन किशोरी की तलाश कर रहे थे। इस बीच आरोपी सत्ताईस मई को दिन में उसे रानीगंज कैथौला बाजार छोडकर चला गया। पीड़िता ने किशोरी के साथ थाने पहुंचकर घटना के बाबत पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है।

जीएनएम की कक्षाओं में प्रवेश के बाद जारी शासनादेश का विरोध

प्रतापगढ़। जीएनएम के नए सत्र में छात्राओं के प्रवेश होने के बाद जारी शासनादेश के संशोधन की मांग की गयी है। सगरा सुंदरपुर स्थित संजीवनी नर्सिंग कालेज के प्रबन्ध निदेशक डा0 एसआर यादव ने प्रदेश मेडिकल फैकेल्टी के सचिव को पत्र लिखकर अध्ययनरत छात्राओं के हितों को देखते हुए दोषपूर्ण शासनादेश में अविलम्ब संशोधन व सुधार की मांग की है। उन्होनें पत्र में कहा है कि नए सत्र में जीएनएम में प्रवेश हो गया है। अचानक एक शासनादेश जारी होने से इस कोर्स के मेधावियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होनें मांग किया है कि 2024–25 सत्र में पूर्व नियमों के अनुसार ही कक्षाओं का संचालन बनाया रखा जाय। उन्होनें कहा है कि नए नियमों को प्रभावी बनाए जाने की आवश्यकता को इन्हें अगले सत्र में लागू किया जाय।

ज्येष्ठ माह के मंगलवार को जगह जगह पूजे गये पवनसुत हनुमान

प्रतापगढ़। ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार को पवनसुत हनुमान जी महराज की आराधना का हर जगह उत्सव का माहौल रहा। पौराणिक स्थली बाबा घुइसरनाथ धाम में महन्त मयंक भाल गिरि के संयोजन में बाबा का भव्य श्रृंगार हुआ। मंदिर परिसर में हनुमान जी महराज के दर्शन पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। लालगंज बाजार में भी जगह जगह हनुमान भक्तों ने राहगीरों के लिए शरबत का प्रबन्ध किया। चौक पर पवन जायसवाल व ज्ञानचंद्र मोदनवाल तथा सूर्य नारायण मार्केट में राजेश मिश्र के संयोजन में श्रद्धालुओं को शरबत पिलाया गया। पहले मंगल को नेशनल हाइवे के समीप श्रीहनुमत निकेतन में भी श्रद्धालुओं ने हनुमान जी महराज के समक्ष दीप जलाये। कोतवाली के समीप हरिहरमंदिरम में पंचमुखी हनुमान जी महराज का पूजन अर्चन हुआ। सगरा सुंदरपुर के समीप तिना में नेशनल हाइवे के पास हनुमान जी का आरती श्रृंगार हुआ। यहां राहगीरों व ग्रामीणों ने सुबह से देर शाम तक भण्डारे में प्रसाद ग्रहण किया। भण्डारे में राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल भी शामिल हुए। भण्डारे का संयोजन समाजसेवी हरिश्चंद्र तिवारी ने किया। पूजन अर्चन कार्यक्रम में सह संयोजक साकेन्द्र नाथ मिश्र ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। वहीं कौशलेन्द्र शुक्ल, अरविंद मिश्र, अनूप मिश्र, विपिन दुबे आदि की आध्यात्मिक कार्यक्रम में सहभागिता सराहनीय दिखी। घरों में भी हनुमान जी महराज का पूजन अर्चन व सुन्दरकाण्ड तथा हनुमान चालीसा का पाठ भी हुआ।

संक्षिप्त

उत्तर कोरिया का जासूसी उपग्रह लेकर जा रहे रॉकेट में उड़ान भरने के तुरंत बाद विस्फोट

उत्तर कोरिया द्वारा देश के दूसरे जासूसी उपग्रह को अंतरिक्ष में तैनात करने के लिए छोड़े गए रॉकेट में उड़ान भरने के तुरंत बाद विस्फोट हो गया। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। यह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के लिए झटका है जो अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया पर नजर रखने के लिए उपग्रहों को तैनात करने की उम्मीद कर रहे हैं। यह प्रक्षेपण ऐसे वक्त में विफल हुआ है जब दक्षिण कोरिया, चीन और जापान के नेताओं ने चार साल से अधिक समय बाद पहली त्रिपक्षीय बैठक के तहत सियोल में मुलाकात की। उत्तर कोरिया का ऐसी उकसावे वाली कार्रवाई करना

असामान्य है जब उसका प्रमुख सहयोगी चीन क्षेत्र में उच्च स्तरीय कूटनीतिक वार्ता कर रहा हो। उत्तर कोरिया के पड़ोसी देशों ने इस प्रक्षेपण की आलोचना की थी क्योंकि संयुक्त राष्ट्र ने उत्तर कोरिया पर ऐसा कोई प्रक्षेपण करने से प्रतिबंध लगा रखा है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कहा कि उसने मुख्य उत्तरपश्चिमी अंतरिक्ष केंद्र से एक नए रॉकेट पर एक जासूसी उपग्रह छोड़ा। लेकिन उड़ान भरने के तुरंत बाद रॉकेट में संदिग्ध रूप से इंजन समस्या के कारण विस्फोट हो गया। जापान के रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा ने उत्तर कोरिया के प्रक्षेपण को ''पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती'' बताया था। दक्षिण कोरिया ने उपग्रह प्रक्षेपण को ''उकसावे वाला कदम बताया था जिससे हमारी और क्षेत्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा पहुंचता है।

गुजरात में गिरफ्तार चार आईएसआईएस संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई का फैसला भारत सरकार लेगी : श्रीलंका

कोलंबो। श्रीलंका की सरकार ने सोमवार को कहा कि पिछले हफ्ते अहमदाबाद हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किए गए चार श्रीलंकाई आईएसआईएस संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में भारत फैसला करेगा, जबकि यहां के अधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि क्या वे द्वीप राष्ट्र में आतंकवादी कृत्यों में शामिल थे। गुजरात आतंकवाद–रोधी दस्ते (एटीएस) ने 19 मई को प्रतिबंधित संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े चार श्रीलंकाई नागरिकों को गिरफ्तार किया था, जो कथित तौर पर अपने पाकिस्तान स्थित आकाओं के निर्देशों के बाद भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने आए थे। चारों लोगों ने 19 मई को कोलंबो से चेन्नई के लिए इंडिगो कंपनी की उड़ान ली थी। श्रीलंका के कानून मंत्री विजयदास राजपक्षे ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''भारत उनसे (गिरफ्तार संदिग्धों से) अपने कानून के मुताबिक निपटेगा। श्रीलंका इस बात की जांच करेगा कि क्या वे यहां रहते हुए किसी आतंकवादी कृत्य में भागीदार रहे हैं या किसी समूह की सहायता की है।'' पिछले हफ्ते, श्रीलंकाई अधिकारियों ने गुजरात में गिरफ्तार किए गए चार श्रीलंकाई लोगों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय अभियान चलाया। श्रीलंकाई पुलिस ने चार गिरफ्तार आईएसआईएस संदिग्धों के एक साथी को पिछले बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने कहा था कि संदिग्धों का सहयोगी मादक पदार्थों के एक तस्कर का बेटा है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

पापुआ न्यू गिनी भूस्खलन: भारत हर मदद करने को तैयार, पीएम मोदी ने बढ़ाया हाथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पापुआ न्यू गिनी में बड़े पैमाने पर भूस्खलन पर दुख व्यक्त किया, जिसमें उत्तरी क्षेत्र में एक पहाड़ ढहने से 2,000 से अधिक लोग दब गए और हजारों लोग प्रभावित हुए। पापुआ न्यू गिनी में विनाशकारी भूस्खलन के कारण हुई जानमाल की हानि और क्षति से गहरा दुख हुआ। पीएम मोदी ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि प्रभावित परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना। उन्होंने कहा कि भारत हर संभव सहायता और सहायता देने के लिए तैयार है। सरकार ने 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तत्काल राहत सहायता दी है। फोरर्न फॉर इंडिया–पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (FIPIC) के तहत एक करीबी दोस्त और भागीदार के रूप में और पापुआ न्यू गिनी के मैत्रीपूर्ण लोगों के साथ एकजुटता के संकेत के रूप में, भारत सरकार राहत का समर्थन करने के लिए 1 मिलियन अमरीकी डालर की तत्काल राहत सहायता प्रदान करती है। हजारों निवासियों को मंगलवार को अभी भी सक्रिय भूस्खलन का रास्ता खाली करने का आदेश दिया गया था। राहत टीमें शुक्रवार से धीरे–धीरे दुर्गम उत्तरी एंगा क्षेत्र में पहुंच रही हैं, हालांकि अधिकारियों ने कहा कि जीवित बचे लोगों के मिलने की संभावना कम है। जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए

निवासी फावड़े और नंगे हाथों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भूस्खलन अभी भी सक्रिय

एंगा प्रांतीय प्रशासक सैंडिस त्साका ने कहा कि आपदा अभी और बदतर हो सकती है। उन्होंने एएफपी को बताया त्रासदी अभी भी सक्रिय है। हर घंटे आप चट्टान टूटने की आवाज़ सुन सकते हैं – यह बम या बंदूक की गोली की तरह है और चट्टानें नीचे गिरती रहती हैं।

पापुआ न्यू गिनी भूस्खलन

पापुआ न्यू गिनी के जिस गांव में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों की जान चली गई, वहां प्राधिकारियों ने दूसरे भूस्खलन की आशंका जताई है और शवों के मलबे में दबे होने एवं पानी के कारण बीमारी फैलने का भी खतरा है। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पापुआ न्यू गिनी की सरकार के एक अधिकारी ने संयुक्त राष्ट्र को बताया है कि पिछले शुक्रवार को हुए भूस्खलन में 2,000 से अधिक लोगों के जिंदा दफन होने का अनुमान है। उसने राहत एवं बचाव कार्यों के लिए औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है।

चीन आने पर फोन जांच वाले दावे को चीन के किया खारिज, बताया बिल्कुल बेतुका

एक खबर ने देश–दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जब कहा गया कि 1 जुलाई से चीन में आने वाले सभी लोगों को मोबाइल जांच का सामना करना पड़ेगा। हालांकि तुरंत ही बीजिंग की तरफ से इसे गलत बताते हुए श्चीन–विरोधीश ताकतों द्वारा की गई सच्चाई को तोड़–मरोड़कर पेश किए जाने की बात कहकर खारिज कर दिया गया है। 26 अप्रैल को राज्य सुरक्षा मंत्रालय ने दस्तावेज़ जारी किए जिसमें कहा गया कि कानून प्रवर्तन नियमों की पहुंच को व्यापक बनाया गया और इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को जोखिम में डालने वाली अवैध गतिविधियों से

निपटने में मदद मिली। मंत्रालय ने अपने सार्वजनिक वीचौट अकाउंट पर एक बयान में कहा कि कुछ शत्रुतापूर्ण विदेशी चीन विरोधी ताकतों ने निंदनीय और झूठे आरोप लगाकर सच्चाई को विकृत करने का अवसर प्राप्त कर लिया है। जांच वाले दावे को 'बिल्कुल बेतुका' कहकर खारिज कर दिया कि प्रवेश पर सभी आगमनकर्ताओं को फोन जांच से गुजरना होगा। नए राष्ट्रीय सुरक्षा नियम ने व्यापक जनता का ध्यान आकर्षित किया और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, इसमें कहा गया है कि नया संशोधित प्रति–जासूसी कानून इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और सुविधाओं के वैध निरीक्षण पर विशिष्ट नियम निर्धारित करता है। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के निरीक्षण का लक्ष्य जासूसी कार्य से संबंधित व्यक्ति या संगठन होना चाहिए, जैसे संदिग्ध जासूस जो सैन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों या वर्गीकृत इकाइयों में तस्वीरें या वीडियो लेते हैं। यह घटना तब हुई है जब चीनी सांसदों ने इस साल 2010 के बाद पहली बार राज्य रहस्य कानून का विस्तार किया, जिसमें प्रतिबंधित संवेदनशील जानकारी के दायरे को बढ़ाकर कार्य रहस्य के रूप में वर्णित जानकारी को शामिल किया गया।

अमेरिकी विश्वविद्यालय में पढ़ रही तेलंगाना की महिला की फ्लोरिडा में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से मौत

अमेरिकी विश्वविद्यालय में पढ़ रही तेलंगाना की महिला की फ्लोरिडा में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से मौत हो गई। तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले के 25 वर्षीय छात्र की अमेरिका के फ्लोरिडा में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। गुंटिपल्ली सौम्या, जिन्होंने फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी से मास्टर की पढ़ाई पूरी की थी, 26 मई को सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी।उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। जब दुर्घटना हुई तब सौम्या किराने का सामान खरीदकर अपने आवास पर लौट रही थी। वह दो साल पहले पढ़ाई के लिए अमेरिका गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद वह नौकरी ढूंढने की कोशिश कर रही थी। यादाद्री भोंगिर जिले के यादगरीपल्ली की मूल निवासी सौम्या उच्च अध्ययन के लिए अमेरिका गई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी से मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की थी और नौकरी ढूंढने की कोशिश कर रही थी। सौम्या की मौत की खबर मिलते ही उनका परिवार सदमे में आ गया। एक रिपोर्ट के अनुसार, उसके माता–पिता कोटेश्वर राव और बालमणि ने केंद्र और राज्य सरकारों से उसके शव को भारत वापस लाने की अपील की है। तेलंगाना के मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सौम्या के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने खालिदा जिया के बेटे को वापस लाकर सजा पर अमल की प्रतिबद्धता दोहरायी

ढाका। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी कट्टर प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान को लंदन से वापस लाने और उनके खिलाफ अदालत के फैसले को क्रियान्वित करने के लिए अपनी सरकार के दृढ़ संकल्प को दोहराया है। अपनी मां खालिदा जिया के 2018 में जेल जाने के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष पद को संभालने वाले रहमान उन्हें छह साल पहले सजा सुनाए जाने के बाद से ही लंदन में रह रहे हैं।

यह सजा रहमान की अनुपस्थिति में सुनाई गई थी। बांग्लादेश की एक अदालत ने फैसला सुनाया है कि रहमान ने हसीना की उपस्थिति वाली एक चुनावी रैली पर घातक ग्रेनेड हमले की साजिश रची। इस मामले में दोषी ठहराए गए रहमान को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। हालांकि, 56 वर्षीय रहमान का कहना है कि यह आरोप ''राजनीतिक प्रतिशोध'' के कारण लगाए गए है। प्रधानमंत्री हसीना ने रविवार को कहा, ''जो लोग हमले करेंगे और लोगों को जलाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। वे चाहे कुछ भी कर लें, हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे, यह स्पष्ट है। जो लोगों को नुकसान पहुंचाएंगे उनके खिलाफ हमारी कार्रवाई जारी रहेगी।'' उन्होंने कहा, ''अब एकमात्र काम दोषी (तारिक रहमान) को वापस लाना है। दोषी जहां भी रहेगा, उसे वहां से लाया जाएगा और उसे सजा भुगतनी होगी।'' हसीना ने कहा, ''हमने ब्रिटेन की सरकार के साथ पहले ही चर्चा कर ली है ताकि वे भगोड़े दोषी को उसकी सजा पर अमल करने के लिए हमारे पास वापस भेज दें।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण अंटार्कटिका में टूटा एक और प्बमइमतह, दिल्ली का चार गुणा बड़ा है हिस्सा

अंटार्कटिका एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। इस बार यहां लगभग 380 वर्ग किलोमीटर का एक बड़ा हिमखंड यानी आइसबर्ग टूट गया है। इस क्षेत्र में हिमखंड टूटने की घटनाएं बीते कुछ वर्षों से देखने को मिल रही है। यह हिमखंड ब्रंट आइस शेल्फ से टूटकर अलग हुआ है, जो कि एक विशाल हिम चट्टान है। बता दें कि यह हिमखंड ब्रंट आइस शेल्फ से टूटकर अलग हुआ है। यह मूल रूप से एक विशाल हम चट्टान है। इस हिमखंड के टूटने की जानकारी यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की रिपोर्ट में सामने आई है। एजेंसी की माने तो बीते 4 वर्षों में हिमखंड टूटने की यह तीसरी घटना दर्ज हुई है। कहां जा रहा है कि हिमखंड टूटने की घटना 20 में को हुई है जिसका मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन माना जा रहा है। दरअसल जलवायु परिवर्तन के कारण बर्फ कमजोर पड़ रही है। हेलोवीन क्रैक इससे बढ़ने लगे हैं और बर्फ टूट रही है। लंबे समय से हेलोवीन क्रैक बर्फ में देखे जा रहे हैं। कई वैज्ञानिक सेटेलाइट की मदद से इन हम करो की निगरानी कर रहे हैं। वैज्ञानिकों ने भी सेटेलाइट की मदद से ही हिम खंडों को टूटते हुए देखा है। बता दें की सबसे पहले वर्ष 2021 में हिमखंड टूटने की पहली घटना दर्ज हुई थी। इस दौरान 1270 वर्ग किलोमीटर का एक 74 हिमखंड टूटकर अलग हुआ था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।